

कृषि विज्ञान केन्द्र हस्तिनापुर, मेरठ

वैज्ञानिक सलाहकार समिति बैठक
नवम्बर 04, 2025



वार्षिक प्रगति आख्या
(जनवरी से अक्टूबर, 2025)
एवं
कार्य योजना
(जनवरी से दिसम्बर 2026)



प्रसार निदेशालय

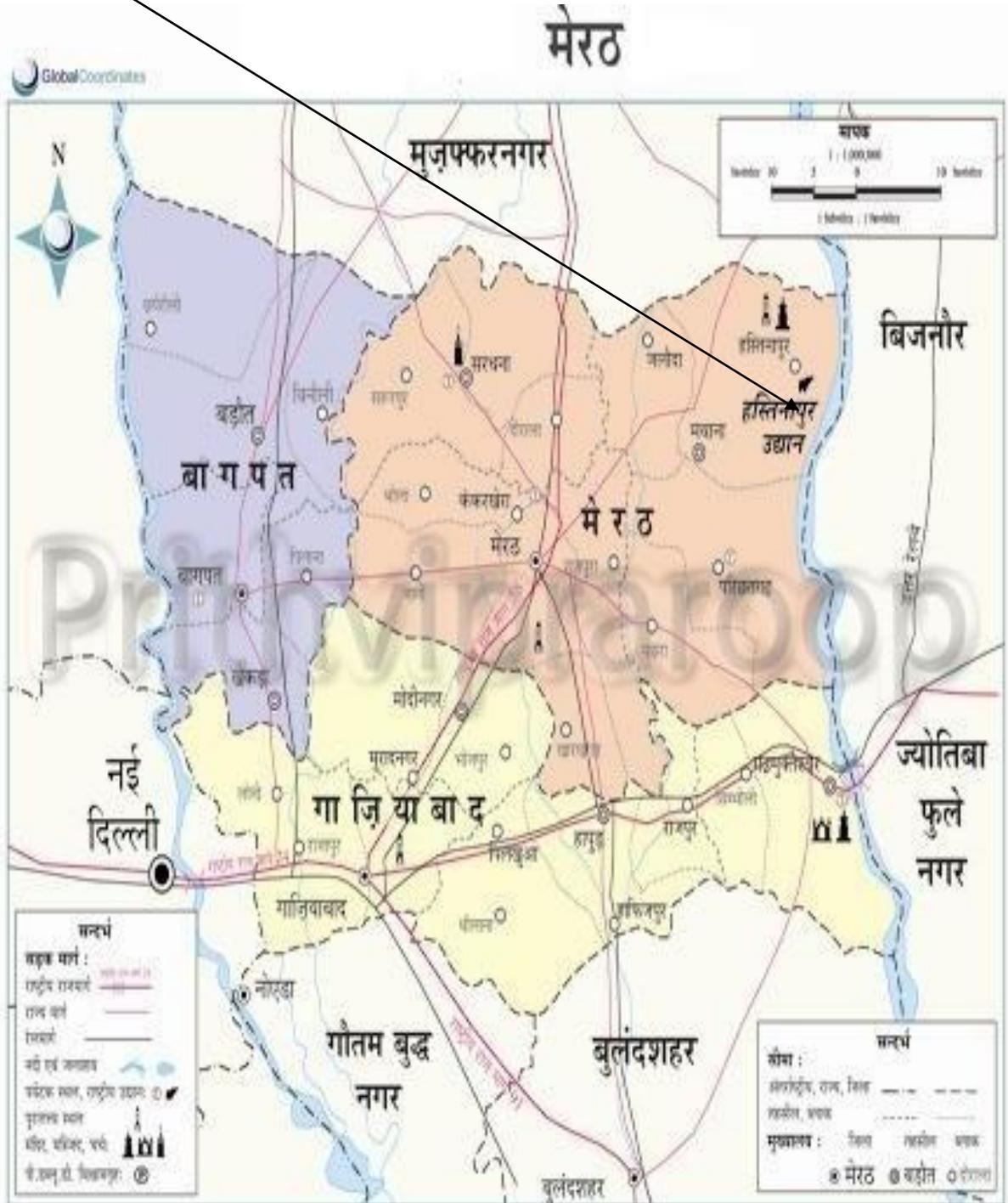
सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय,
मोदीपुरम, मेरठ – 250110 (उत्तर प्रदेश)

विषय-सूची

क्रमांक	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	हस्तिनापुर की भौगोलिक स्थिति	2
2	कृषि विज्ञान केन्द्र का संक्षिप्त परिचय	3-5
3	गत वर्ष की वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक की प्रमुख संस्तुतियाँ एवं कार्यवाही	6-7
प्रगति आख्या (जनवरी से अक्टूबर 2025)		
4	कृषि विज्ञान केन्द्र के कार्यों का लक्ष्य एवं पूर्ति	9
5	तकनीकी प्रगति	10-13
6	प्रक्षेत्र परीक्षणों का प्रगति विवरण	14-21
7	प्रथम पंक्ति प्रदर्शन	22-28
8	अन्य गतिविधियाँ 2024 (प्राकृतिक खेती एवं किण्वन उर्वरक, अंगीकृत ग्राम, हॅगर फ्री विलेज, स्वाच्छता अभियान, श्री अन्न कार्यक्रम, महिला अध्ययन केन्द्र)	29-36
9	प्रसार गतिविधियाँ	37
10	प्रक्षेत्र प्रगति (मृदा परीक्षण, क्राप कैफेटेरिया एवं)	38
11	अन्य सस्थानों द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम	39
12	अन्य प्रसार गतिविधियाँ	40-49
13	बजट विवरण	50
कार्य योजना (जनवरी से दिसम्बर 2026)		
13	कार्य योजना सार	52
14	प्रक्षेत्र परीक्षण	53-57
15	हॅगर फ्री विलेज	58
16	प्रदर्शन कार्यक्रम	59-60
17	प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विवरण	61-65
18	अन्य प्रसार कार्यक्रम	66
19	प्रक्षेत्र फसल योजना	67

1. कृषि विज्ञान केन्द्र – हस्तिनापुर, मेरठ की भौगोलिक स्थिति

**Krishi Vigyan Kendra
Hastinapur**



2. कृषि विज्ञान केन्द्र-हस्तिनापुर का संक्षिप्त परिचय

कृषि विज्ञान केन्द्र, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित कृषि सम्बन्धी नवीनतम तकनीकी जानकारी कृषकों, ग्रामीण महिलाओं तथा ग्रामीण बेरोजगार, स्कूल छोड़ चुके युवकों/ युवतियों एवं प्रसार कार्यकर्ताओं तक पहुँचाने का एक संस्थान है।

स्वामी कल्याण देव कृषि विज्ञान केन्द्र, हस्तिनापुर, मेरठ की स्थापना स्वामी कल्याण देव जी महाराज के प्रयास से दिसम्बर 1992 में हुई थी। दिनांक 1.7.1998 से इस केन्द्र का हस्तान्तरण केन्द्र में कार्यरत समस्त स्टाफ सहित गोविन्द बल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विष्वविद्यालय, पन्तनगर, जिला-ऊधमसिंह नगर को हो गया था। उत्तरांचल राज्य के अस्तित्व में आने के उपरान्त दिनांक 1.4.2001 को केन्द्र का हस्तान्तरण सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ को हो गया है। केन्द्र के पास हस्तिनापुर में ही 9.20 हैक्टेयर भूमि कृषि सम्बन्धी प्रदर्शनों, क्षेत्र की समस्या व परिस्थितियों के अनुसार क्षेत्र की जलवायु में ही क्रियात्मक परीक्षण करने के लिये उपलब्ध है। केन्द्र के प्रक्षेत्र पर गन्ना, गेहूँ, धान, हरे चारे, औद्योगिक फसलों आदि के प्रदर्शनों का कार्य किया जा रहा है।

कृषि विज्ञान केन्द्र के उद्देश्य :

कृषि सम्बंधित तकनीको का मूल्यांकन करना तथा तकनीकी का कृषक प्रक्षेत्रों एवं केन्द्र पर प्रदर्शन कर उसका प्रचार प्रसार करना।

कृषि विज्ञान केन्द्र की गतिविधियाँ:

1. क्षेत्र विशेष के लिये उपयुक्त कृषि तकनीक की पहचान हेतु विभिन्न प्रक्षेत्र परिस्थितियों में प्रक्षेत्र परीक्षण आयोजित करना।
2. कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिये कृषकों के प्रक्षेत्रों पर प्रथम पंक्ति प्रदर्शन आयोजित कराना।
3. कृषको को नई कृषि तकनीको से अवगत कराने एवं तकनीकी रूप से निपुण बनाने हेतु प्रशिक्षण आयोजित करना।
4. आधुनिक तकनीकी विकास अवगत कराने हेतु कृषि प्रसार कार्यकर्ताओं के लिये प्रशिक्षण आयोजित करना।
5. जनपद में कृषि आय बढ़ाने के लिये कार्यरत संस्थाओ, व्यक्तियों की सहायता करने के लिये कृषि तकनीक से सम्बंधित जानकारी उपलब्ध कराना।

मेरठ जनपद की कृषि प्रणाली का विश्लेषण

जनपद का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 2590.00 वर्ग किमी⁰ है। यहाँ की प्राकृतिक मृदा दोमट एवं बलुई दोमट तथा जैविक पदार्थों की कमी के साथ संगठित है। अन्य प्राकृतिक आपदा जैसे सूखा व जंगली जानवरों से भी क्षेत्र प्रभावित रहता है। किसानों की सामाजिक व आर्थिक दशा अच्छी है, लेकिन औसत उत्पादकता व स्वरोजगार बढ़ाने की असीम संभावना है। जनपद का भू-उपयोग निम्नवत है:—

1. कुल भौगोलिक क्षेत्रफल – 259000 है०
2. सकल खेती के अन्दर – 200000 है०
3. सिंचित क्षेत्रफल – 200000 है०
4. समस्त जोतों में लघु एवं सीमान्त जोत – 91.46 %
5. समस्त जोतों के अन्तर्गत क्षेत्रफल में लघु सीमान्त जोत के अन्तर्गत क्षेत्रफल– 61.58 %
6. सीमान्त जोतों का औसत आकार – 0.73 है०
7. समस्त जोतों का औसत आकार – 1.10 है०

1.1 कृषि विज्ञान केन्द्र से सम्बन्धित सामान्य सूचना

1.2 कृषि विज्ञान केन्द्र का नाम व पता –

पता	फोन		ई-मेल
	कार्यालय	फैक्स	
कृषि विज्ञान केन्द्र, हस्तिनापुर-250404, मेरठ	01233-280605	—	meerutkvk@gmail.com

1.3 सम्बद्ध संस्थान का नाम व पता –

पता	फोन		ई-मेल
	कार्यालय	फैक्स	
सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ	0121-2888522, 2888511	0121-2888505, 2888540	dir.ext@svpuat.edu.in

1.4 प्रभारी अधिकारी का नाम व फोन न० –

नाम	फोन		ई-मेल
	निवास	मोबाइल	
डा० राकेश तिवारी	9411820189	9411820189	meerutkvk@gmail.com

1.5 कृषि विज्ञान केन्द्र, हस्तिनापुर की कुल भूमि – 9.20 है०

क्रमांक	भूमि का विवरण	क्षेत्रफल/है०
1	कृषि योग्य भूमि	5.50
2	कार्यालय एवं आवास परिसर	2.00
3	प्रदर्शन इकाइयाँ	1.00
4	बगीचा / कृषि वानिकी	0.40
5	अन्य	0.30

1.6 अधिकारियों/कर्मचारियों का विवरण :

क्र. सं०	नाम	पद नाम	विषय	वेतनमान	योगदान आख्या का दिनांक
1	डा० राकेश तिवारी	प्रभारी अधिकारी	मृदा विज्ञान	15600-39100 ग्रेड पे 8000	21.06.2008
2.	डा० नवीन चन्द्रा	एस०एम०एस० / सहा० प्राध्यापक	कीट विज्ञान	15600-39100 ग्रेड पे 8000	23.06.2008
3	श्रीमती वीना यादव	एस०एम०एस० / सहा० प्राध्यापक	गृह विज्ञान	15600-39100 ग्रेड पे 7000	23.06.2008
4	डा० सोनिका ग्रेवाल	एस०एम०एस०	पशुविज्ञान	15600-39100 ग्रेड पे 5400	01.07.2022
5.	डा० शुभम आर्य	एस०एम०एस०	सस्य विज्ञान	15600-39100 ग्रेड पे 5400	06.07.2022
6	डा० जितेन्द्र आर्य	कार्यक्रम सहायक	उद्यान	9300-34800 ग्रेड पे 4800	01.07.1998
7	श्रीमती विभा साहू	कार्यक्रम सहायक	कम्प्यूटर	9300-34800 ग्रेड पे 4800	21.10.1999
8	श्री अमित चौधरी	कार्यालय अधीक्षक / लेखाकार	-	9300-34800 ग्रेड पे 4800	10.12.2003
9	श्री सुदेश कुमार	आशुलिपिक कम कम्प्यूटर आपरेटर	-	5200-20800 ग्रेड पे 2800	15.12.2003
10	श्री उपेन्द्र कुमार	जीप ड्राइवर	-	5200-20800 ग्रेड पे 2400	02.08.2007
11	श्री हरिदास	स्वच्छक	-	5200-20800 ग्रेड पे 2400	01.07.1998
12	श्री अमर सिंह	ग्रामीण कार्यकर्ता	-	5200-20800 ग्रेड पे 2400	13.12.1999

1.7 भवन निर्माण एवं प्रबंधन :

क्रमांक	भवन का नाम	क्षेत्रफल (वर्ग मी०)
1	प्रशासनिक भवन	510
2	कृषक छात्रावास	300
3	स्टाफ आवास (6)	400
4	प्रदर्शन इकाइयों (2)	160
5	बाऊन्ड्री वॉल	1000 मी० (लम्बाई)
6	खलिहान (थ्रेसिंग फ्लोर)	300
7	प्रक्षेत्र गोदाम	60
8	मृदा परीक्षण प्रयोगशाला	80
9	गुड़ प्रसंस्करण इकाई	170
10	नर्सरी इकाई	20
11	ड्रैगन फ्रूट	100

3.अ. वैज्ञानिक सलाहकार समिति की पूर्व बैठक दिनांक 18.11.2024 का विवरण:

क्रसं०	प्रतिभागी का नाम	पदनाम	विभाग
1	डा० पी०के० सिंह	निदेशक प्रसार	सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ
2	डा० डी०के० सिंह	डी०एस०डब्ल्यू	सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ
3	डा० एल०आर० मीना	प्रधान वैज्ञानिक (एग्रोनोमी)	आई०आई०एफ०एस०आर०, मोदीपुरम, मेरठ
4	डा० आर०के० सिंह	अध्यक्ष	सी०पी०आर०आई०, मोदीपुरम, मेरठ
5	श्री रविन्दर साँगवान	प्रधान वैज्ञानिक	सी०आई०आर०सी०, मेरठ
6	श्री अमर पाल	जिला कृषि रक्षा अधिकारी	कृषि विभाग, मेरठ
7	डा० एस०के० त्रिपाठी	प्राध्यापक (उद्यान)	प्रसार निदेशालय
8	डा० पी०के० सिंह	प्राध्यापक (सस्य)	प्रसार निदेशालय
9	डा० अशोक कुमार गिल	पशु चिकित्साधिकारी	पशुपालन विभाग
10	डा० अरुण कुमार	डी०एच०ओ०	डी०एच०ओ०, मेरठ
11	श्री कैलाश	कृषक	ग्राम-इकवारा
12	श्री करतार सिंह	कृषक	ग्राम-पॉली
13	श्री श्योदान सिंह	सदस्य / प्रगतिशील कृषक	ग्राम-अम्हेरा, ब्लॉक-रजपुरा
14	श्री महेन्द्र सिंह	कृषक	ग्राम-हस्तिनापुर
15	श्री कमल सिंह	कृषक	ग्राम- हस्तिनापुर
16	श्री रिवेज राज	पी०पी०ओ०, मेरठ	हस्तिनापुर
17	श्रीमती दीपा	महिला कृषक	ग्राम-हस्तिनापुर
18	श्रीमति मीरा	महिला कृषक	ग्राम-लुक्काघडी
19	श्रीमति उषा	महिला कृषक	ग्राम- हस्तिनापुर
20	डा० ओमवीर सिंह	प्राध्यापक एवं अध्यक्ष	के०वी०के०, हस्तिनापुर

ब. दिनांक 18.11.2024 को आयोजित वैज्ञानिक सलाहकार समिति की संस्तुतियाँ

क्र० सं०	संस्तुति/सुझाव	कृत कार्यवाही का नाम
1	कलस्टर प्रथम पंक्ति प्रदर्शन में सरसों की खेती में पौधों को विरला करने पर जोर देना चाहिए।	कलस्टर प्रथम पंक्ति प्रदर्शन में सरसों की खेती में पौधों को कृषकों द्वारा विरला कराया गया।
2	परवल में प्रथम पंक्ति प्रदर्शन में शुद्ध लाभ/कुल लाभ की गणना होनी चाहिए।	के०वी०के० के प्रगति रिपोर्ट में प्रथम पंक्ति प्रदर्शन में शुद्ध लाभ/कुल लाभ की गणना की जाती है।
3	पशु स्वास्थ्य शिविर में इलाज किये गये पशुओं के डेटा को रोग के अनुसार इलाज किये गये पशुओं की संख्या के रूप में प्रस्तुत किया जाना चाहिए।	पशु स्वास्थ्य शिविर नवम्बर माह में लगाया जायेगा।
4	प्रशिक्षण में चारा एवं नस्ल सुधार से संबंधित विषयों को शामिल किया जाना चाहिए।	चारा एवं नस्ल सुधार से संबंधित विषयों को वाहय परिसर के प्रशिक्षण में शामिल किये गये हैं।
5	किसान संपर्क बाजार को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।	किसान संपर्क बाजार के बारे में प्रशिक्षणों के माध्यम से व मोबाइल एप के द्वारा किसानों को जागरूक किया जा रहा है।
6	कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रासंगिक समय के साथ मौसम के अनुसार आयोजित किया जाना चाहिए।	कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रासंगिक समय के साथ मौसम के अनुसार आयोजित किये जाते हैं।
7	गन्ने में लाल सड़न रोग को ओ०एफ०टी० कार्यक्रम के तहत कार्ययोजना में शामिल किया जाना चाहिये।	ओ०एफ०टी० कार्यक्रम अटारी कानपुर द्वारा निर्मित कर कृषि विज्ञान केन्द्र को विषयवार आयोजित करने को दिये जाते हैं।
8	किसानों के सुझाव के अनुसार कृषि विज्ञान केन्द्र और किसानों को मिलकर जिले में अधिक से अधिक वृक्षारोपण को बढ़ावा देना चाहिए।	कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम केन्द्र के परिसर एवं प्रक्षेत्र के साथ साथ न्याय पंचायत स्तर पर वैज्ञानिकों द्वारा ग्राम प्रधान के सहयोग से कराया जा रहा है।
9	किसानों ने सुझाव दिया है कि अधिक से अधिक किसानों को कृषि विज्ञान केन्द्र और केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, मोदीपुरम के साथ सहयोग कराना चाहिए।	केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान द्वारा आयोजित नव विकसित आलू की प्रजातियों का कृषकों के प्रक्षेत्र पर प्रथम पंक्ति प्रदर्शन आयोजित किये जाते हैं।
10	किसानों ने सुझाव दिया कि समय-समय पर केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, मोदीपुरम द्वारा प्रदर्शन यात्राओं का आयोजन किया जाना चाहिए।	केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान द्वारा आयोजित कृषक मेला एवं कार्यशाला में कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा अग्रणी जनपद के आलू उत्पादक किसानों की सहभागिता की जाती है।



प्रगति आख्या

(जनवरी से अक्टूबर—2025)

4. कृषि विज्ञान केन्द्र के कार्यों का लक्ष्य एवं पूर्ति (जनवरी 2025 – अक्टूबर 2025)

प्रक्षेत्र परीक्षण				अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन	
प्रक्षेत्र परीक्षण संख्या		किसानों की संख्या		अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन संख्या	
लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति
08	08	48	48	200	390

प्रशिक्षण				प्रसार गतिविधियाँ			
पाठ्यक्रमों की संख्या		भागीदारों की संख्या		कार्यक्रमों की संख्या		भागीदारों की संख्या	
लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति	लक्ष्य	पूर्ति
100	73	2000	1395	500	510	5000	7599

कार्यक्रम	लक्ष्य	पूर्ति
बीज उत्पादन	200 (कु0)	91.25 कु0 सरसों (पूसा विजय) – 601200
		चारा– 232000
मृदा नमूनों का परीक्षण	1200 (सं0)	1300

5. तकनीकी प्रगति आयोजित प्रशिक्षणों का विवरण

5.1 परिसर पर :

क्र. सं.	विषय	प्रशिक्षणों की संख्या	प्रशिक्षणार्थियों की संख्या						कुल योग
			अन्य			अनु.जाति / अनु.जनजाति			
			पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग	
अ. खेतिहर कृषको हेतु									
1	फसल उत्पादन	01	12	-	12	08	-	08	20
2	मृदा विज्ञान	02	35	-	35	05	-	05	40
3	पशु विज्ञान	01	01	03	04	08	08	16	20
4	गृह विज्ञान	02	0	10	10	0	30	30	40
5	पादप सुरक्षा	01	03	0	03	16	01	17	20
योग (अ)		07	51	13	64	37	39	76	140



क्र. सं.	विषय	प्रशिक्षणों की संख्या	प्रशिक्षणार्थियों की संख्या						कुल योग
			अन्य			अनु.जाति / अनु.जनजाति			
			पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग	
ब. प्रसार कार्यकर्ताओं हेतु									
1	फसल उत्पादन	03	35	-	35	25	-	25	60
2	मृदा विज्ञान	03	35	-	35	25	-	25	60
3	पशुपालन	03	46	-	46	14	-	14	60
4	गृह विज्ञान	04	0	57	57	0	08	08	65
5	पादप सुरक्षा	03	51	0	51	09	0	09	60
	योग (ब)	16	167	57	224	73	08	81	305



क्र. सं.	विषय	प्रशिक्षणों की संख्या	प्रशिक्षणार्थियों की संख्या						कुल योग
			अन्य			अनु.जाति / अनु.जनजाति			
			पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग	
स. ग्रामीण युवकों हेतु									
1	फसल उत्पादन	01	08	-	08	02	-	02	10
2	पशुपालन	01	14	-	14	16	-	16	30
3	मृदा विज्ञान	02	15		15	05		05	20
4	गृह विज्ञान	02	0	09	09	0	11	11	20
5	पादप सुरक्षा	01	08	-	08	02	-	02	10
	योग (स)	07	45	09	54	25	11	36	90



5.2 वाह्य परिसर पर :

क्र. सं.	विषय	प्रशिक्षणों की संख्या	प्रशिक्षणार्थियों की संख्या						कुल योग
			अन्य			अनु.जाति / अनु.जनजाति			
			पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग	
द खेतिहर कृषको हेतु									
1	फसल उत्पादन	11	205	05	210	08	02	10	220
2	मृदा विज्ञान	10	175	0	175	25	0	25	200
3	पशुपालन	06	87	15	102	0	18	18	120
4	गृह विज्ञान	08	0	73	73	0	87	87	160
5	पादप सुरक्षा	08	141	0	141	10	09	19	160
	योग	43	608	93	701	43	116	159	860
	कुल प्रशिक्षण (अ+ब+स+द)	73	871	172	1043	178	174	352	1395



6. प्रक्षेत्र परीक्षण के परिणाम

प्रक्षेत्र परीक्षण 1

फसल/उद्यम	गन्ना
शीर्षक	गन्ने में तनाभेदक, चोटी भेदक कीट का एकीकृतनाशी जीव प्रबन्धन माड्यूल का आकलन
कार्यक्षेत्र	एकीकृत नाशी जीव का प्रबन्धन
मुख्य समस्या	गन्ने कीउपज में नुकसान (10-24 प्रतिशत) फसल से किसानों की आय में कमी आ रही है।
प्रमुख कारण	तनाभेदक, चोटीभेदक कीट के संक्रमण के कारण गन्ने की कम गुणवत्ता एवं उत्पादकता का होना। तनाभेदक, चोटी भेदक कीट बेधक के संक्रमण के कारण गन्ने की वजन एवं लम्बाई का कम होना। बेधक कीटों के नियंत्रण हेतु प्रयोग अविवेकपूर्ण उपयोग के कारण गन्ने के उत्पादों में अत्यधिक अपष्टिों का होना। नत्रजन उर्वरकों का अधिक प्रयोग के कारण कीटों का संक्रमण में वृद्धि।
व्यवधानों के नाम	टी1-कृषक प्रणाली -फयूराडान 3 जी0 @30 किग्रा0/है0 और क्लोरान्द्रानिलीप्रोल 18.5 एस0एल0 @ 375 मिली0/है0 टी2-गन्ने की खेती एक कली विधि को वरीयता <ul style="list-style-type: none"> बीज उपचार : क्लोरपायरीफास 20 ई0सी0 @ 40 मिली और कार्बेन्डाजिम @ 50 ग्राम/10 ली0 पानी के साथ मृदा अनुप्रयोग : विजाई के समय फरटेरा 0.4 जी @ 22.5 कि0ग्रा0/है0 और बुवाई के 60 दिन बाद क्लोरान्द्रानिलीप्रोल 18.5 एस0एल0 @ 375 मिली0/है0 को 700 ली0 पानी के साथ सराबार (ड्रेचिंग) करना। ट्राइकोकार्ड की स्थापना-7.5 कार्ड प्रति है0 दर (50000 अण्ड परजीवी) 45,60,75,150 और 180 दिनों के बुवाई के पश्चात फेरोमोन ट्रैप: बुवाई के 45 दिन बाद 27 ट्रैप/है0 की दर से स्थापित करना व 45 दिनों के बाद ल्यूर को बदलना।
कृषकों की संख्या	05
क्षेत्रफल	2.0 है0 0.4 X 5 2.0
आई0पी0एम0 माड्यूल की लागत	रू0 9038 /प्रति एकड कुल रू0 45190
प्रौद्योगिकी स्रोत	भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ
क्रान्तिक आदान	क्लोरपायरीफास 20 ई0सी0, कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यू पी0 फरटेरा 0.4 जी , ट्राइकोकार्ड और फेरोमोन ट्रैप ल्यूर सहित
वैज्ञानिकों के नाम	डा0 नवीनचन्द्र

क्र० स०	मापदण्ड	प्रौद्योगिकी विकल्प	
		टी1	टी2
1	जमाव प्रतिशत	75	86
2	कल्लों (टिलर) की संख्या	85	110
3	ऊचाई (मी०) स्वस्थ एवं संक्रमित गन्ना	3.0 मी० और 2.0 मी०	3.5 मी० और 2.2 मी०
4	गन्ने की परिधि (सेमी) स्वास्थ्य एवं संक्रमित	5 सेमी० और 4.5 सेमी०	7 सेमी० और 6.0 सेमी०
5	संक्रमण प्रतिशत, तनाभेदक और चोटीभेदक	20 प्रतिशत और 25 प्रतिशत	10 प्रतिशत और 15 प्रतिशत
6	वजन (ग्राम) स्वस्थ एवं संक्रमित	1150 ग्राम० और 50 ग्राम	1350 ग्राम और 550 ग्राम
7	अन्य कीटों का संक्रमण	पायरिला, मिलीबग, सैनिक कीट और ब्लैक बग	पायरिला, मिलीबग, सैनिक कीट और ब्लैक बग
8	उपज(कु० / हे०)	प्रतीक्षारत	



गन्ने में तनाभेदक, चोटी भेदक कीट का एकीकृतनाशी जीव प्रबन्धन माड्यूल का आकलन

प्रक्षेत्र परीक्षण 2

फसल/उद्यम	गन्ना (जायद 2025)
शीर्षक	गन्ने का कम उत्पादन
मुख्य समस्या	असंतुलित उर्वरक प्रयोग के कारण कीट व रोग का प्रकोप
कार्यक्षेत्र	एकीकृत पोषक प्रबन्धन
तकनीकी का विवरण एवं आकलन	टी1- कृषक पद्धति (बहाव वाली सिचाई + 400 किलो यूरिया + 130 किलो डी0ए0पी0 + 0 किग्रा0 पोटाश) टी2- मृदा परीक्षण के आधार पर संतुलित उर्वरक प्रयोग + मृदानमी संकेतक यंत्र
कृषकों की संख्या	06
क्षेत्रफल	0.4 * 3 =1.2 है0
क्रान्तिक आदान	मृदानमी संकेतक यंत्र मृदा परीक्षण के आधार पर संतुलित उर्वरक प्रयोग
प्रौद्योगिकी स्रोत	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली
वैज्ञानिकों के नाम	डा0 राकेश तिवारी

क्र0स0	मूल्यांकन सुचक	तकनीकी मूल्यांकन	
		टी1	टी2
1	कीट एवं रोग	12	09
2	खरपतवार	55	55
3	सिचाई की संख्या	04	03
4	उर्वरकों का प्रयोग एवं बचत	5642	10818 & (-5176)
5	कृषि लागत	75000	66900
6	उपज कु0/है0	80	98.2
7	लाभ:लागत अनुपात	1:19	1:1.21

किसान का नाम	pH	EC	OC %	P2O5	K2O	S	Zn	B	Fe	Mn	Cu
वाशीराम	7.69	0.48	0.30	11.9	130	2.9	0.59	0.47	1.1	0.61	0.59
बबलू	7.78	0.29	0.29	12.5	125	2.5	0.58	0.40	1.2	0.58	0.62
अमरेश	7.65	0.26	0.25	11.5	129	2.1	0.58	0.42	1.4	0.60	0.58

Soil Status Organic carbon- Low,
fertilizer based- 350 Urea Kg/ha.
Phosphorus – Low, 163 Kg/ Ha
Potash- Medium, 66 Kg/ha.
Sulphur- 40 Kg/ha.



प्रक्षेत्र परीक्षण 3

फसल/उद्यम	धान (खरीफ 2025)
शीर्षक	रसायनों द्वारा रोपित धान में खरपतवार नियंत्रण।
मुख्य समस्या	खरपतवारों के कारण धान की उपज में कमी।
कार्यक्षेत्र	एकीकृत खरपतवार प्रबन्धन
तकनीकी का विवरण एवं आकलन	टी1- बिस्पायरीबेक सोडियम 10 % @ 200 से 250 मिली०/है० टी2- थ्रिफअमोन 20 % + इथाक्सी सल्फयूरान 10 % डब्ल्यू० जी० @ 90 ग्रा०/है० टी3- बिस्पायरीबेक सोडियम 38 % + क्लोरिम्यूरान इथाईल 2.5 % + मैटसल्फयूरान मिथाइल 2.5 % (डब्ल्यू०/डब्ल्यू०) डब्ल्यू० जी० @ 100 ग्रा०/है०
कृषकों की संख्या	06
क्षेत्रफल	(10 * 800) = 8000 वर्ग मी० (2 एकड)
क्रान्तिक आदान	खरपतवारनाशी (पी०बी० 1509)
प्रौद्योगिकी स्रोत	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली, खरपतवार अनुसंधान निदेशालय, जबलपुर।
वैज्ञानिकों के नाम	डा० शुभम आर्य

क्र०स०	मूल्यांकन सुचक	तकनीकी मूल्यांकन					
		टी1		टी2		टी3	
तकनीकी							
1	खरपतवार घनत्व 30 व 45 दिनो पर (खरपतवारों की संख्या/मी ²)	13	08	09	06	07	04
2	अलग अलग जातियों के खरपतवारों की संख्या। (स.०/मी ²)	03		02		02	
3	कल्लों (टिलर) की संख्या (सं/मी ²)	376		408		412	
आर्थिकी							
1	दानों की उपज (कु/है०)	44.72		47.10		49.60	
2	भूसे की उपज (कु/है०)	34.22		35.68		35.90	
3	उपज की लागत (रू०/है०)	60800		63700		65100	
4	कुल आय (रू०/है०)	120100		128900		134200	
5	शुद्ध लाभ (रू०/है०)	59300		65200		69100	
6	लाभ:लागत अनुपात	1:1.98		1:2.02		1:2.06	



प्रक्षेत्र परीक्षण 4

फसल/उद्यम	गेहूँ (रबी 2025-26)
शीर्षक	देरी से बोयी जाने वाली गेहूँ की फसलों का कम उत्पादन।
मुख्य समस्या	किसानों द्वारा छिटकवाँ विधि से परम्परागत प्रजातियों को बोना।
कार्यक्षेत्र	एकीकृत फसल प्रबन्धन
तकनीकी का विवरण एवं आकलन	टी1- परम्परागत प्रजातियों का प्रयोग (डी0बी0डब्ल्यू 173) और उर्वरक-100:60:0 किग्रा0 एन0पी0के0/है0 टी2- पंक्तियों में बुवाई गेहूँ प्रजाति एच0डी0 3298 + उर्वरकों की संस्तुति मात्रा @ 80: 60:40 और जिंक (मृदा परीक्षण के आधार पर)
कृषकों की संख्या	06
क्षेत्रफल	800 वर्ग मी0/किसान (15 से 30 दिसम्बर के बीच)
क्रान्तिक आदान	बीज + संतुलित उर्वरक ।
प्रौद्योगिकी स्रोत	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली,
वैज्ञानिकों के नाम	डा0 शुभम आर्य

क्र0स0	मूल्यांकन सुचक	तकनीकी मूल्यांकन	
		टी1	टी2
तकनीकी			
1	बुवाई विधि	छिटकवाँ विधि	सीडड्रिल द्वारा
2	बीज दर/हे0	150 किग्रा0	120 किग्रा00
3	कल्लों (टिलर) की संख्या (सं/मी ²)	388	396
4	फसल पकने की अवधि	125	110
5	दानों की उपज (कु/हे0)	43.8	55.5
6	उपज बढ़ोत्तरी प्रतिशत	—	26.94
7	कृषि लागत (रू0/हे0)	50750	54630
8	कुल आय (रू0/हे0)	158700	183200
9	शुद्ध लाभ (रू0/हे0)	107950	128570
10	लाभ:लागत अनुपात	1:3.1	1:3.4



प्रक्षेत्र परीक्षण 5

फसल/उद्यम	भैंस(आयु 5 से 8 वर्ष)
शीर्षक	भैंस में रिपीट ब्रीडिंग का प्रबंधन
कार्यक्षेत्र	रिपीट ब्रीडिंग की अधिक प्रवर्ति
मुख्य समस्या	पोषण की कमी और हार्मोनल असंतुलन
मूल्यांकन हेतु चयनित तकनीकों का विवरण	T1: कृषक प्रणाली :चोकर एवं साधारण नमक का प्रयोग कृमिनाशक + फीड अनुपूरक (ट्रेस मिनरल) का उपयोग@50 ग्राम प्रति दिन /पशु तीन महीने के लिए + यदि आवश्यक हो तो हार्मोनल उपचार
कृषकों की संख्या	10 + 10
कार्य क्षेत्र	प्रजनन एवं ब्रीडिंग प्रबंधन
आई0पी0एम0 माडयूल की लागत	रुपये 10000/ व्यवधानो के नाम
प्रौद्योगिकी स्रोत	आईसीएआर-आई0वी0आर0आई0, इज्जतनगर
क्रान्तिक आदान	खनिज मिश्रण, कृमिनाशक एवं आवश्यकतानुसार हार्मोनल उपचार
मूल्यांकन सूचक :	<ul style="list-style-type: none"> ● तकनीकी <ul style="list-style-type: none"> ○ नॉन रिटर्न रेट ● ब्यांत से गर्भधारण तक का अंतराल <ul style="list-style-type: none"> ○ गर्भाधान दर ● आर्थिक: सी:बी अनुपात ● सामाजिक: अपनाने की ग्राहता
परिणाम प्रतीक्षारत	



प्रक्षेत्र परीक्षण 6

फसल/उद्यम	भैंस
शीर्षक	डेयरी पशुओं में प्रसवपूर्व तथा प्रसवोत्तर समस्याओं का प्रबंधन
कार्यक्षेत्र	पेरीपारतुरिएन्ट अवधि (प्रसवपूर्व तथा प्रसवोत्तर) के दौरान खराब प्रबंधन
मुख्य समस्या	पोषक तत्वों की कमी और हार्मोनल असंतुलन
मूल्यांकन हेतु चयनित तकनीकों का विवरण	T1: कृषक प्रणाली :चोकर एवं साधारण नमक का प्रयोग — पेरीपारतुरिएन्ट अवधि (प्रसवपूर्व तथा प्रसवोत्तर) के दौरान फीड अनुपूरक (मेटाबॉलाइट मिक्सचर) का उपयोग@100 ग्राम प्रति दिन /पशु
कृषकों की संख्या	10 + 10
कार्य क्षेत्र	प्रजनन एवं ब्रीडिंग प्रबंधन
आई0पी0एम0 माड्यूल की लागत	रुपये 10000/
प्रौद्योगिकी स्रोत	आईसीएआर—एन0डी0आर0आई करनाल
क्रान्तिक आदान	मेटाबॉलाइट मिक्सचर
मूल्यांकन सूचक :	<ul style="list-style-type: none"> ● तकनीकी प्रसवोत्तर समस्याओं का प्रकोप सर्विस पीरियड गर्भाधान दर ● आर्थिक: सी:बी अनुपात ● सामाजिक: अपनाने की ग्राहता

प्रक्षेत्र परीक्षण 7

फसल/उद्यम	मत्स्य
शीर्षक	मत्स्य आहार में सेलेनियम और अमीनो एसिड युक्त मछली के चारे में सेलेनियमविट—खनिज मिश्रण खनिज मिश्रण का प्रयोग
कार्यक्षेत्र	खिलाने के बावजू मछली धीमी वृद्धि जिससे हार्वेस्टिंग में देरी होना मछली की वृद्धि के लिए संतुलित आहार का अभाव
मुख्य समस्या	विटामिन और खनिजों का प्रयोग नहीं करना <ul style="list-style-type: none"> ● मछलियों को अनियमित आहार देना ● तालाबों में चारा प्रबंधन पर तकनीकी ज्ञान का अभाव ● किसानों द्वारा अनजाने में लागत में कटौती करना क्योंकि फीड इनपुट लागत का एक बड़ा हिस्सा लेता है
मूल्यांकन हेतु चयनित तकनीकों का विवरण	T1: कृषक प्रणाली :विटामिन और खनिजों का प्रयोग नहीं करना T2: — मछली के चारे में सेलेनियम विटामिन —खनिज मिश्रण
कृषकों की संख्या	04
आई0पी0एम0 माड्यूल की लागत	8000
प्रौद्योगिकी स्रोत	आईसीएआर—सीफा, भुवनेश्वर
क्रान्तिक आदान	सेलेनियम विटामिन —खनिज मिश्रण
मूल्यांकन सूचक :	<ul style="list-style-type: none"> ● फीड रूपांतरण अनुपात (एफसीआर) ● जल गुणवत्ता पैरामीटर ● मछली की यील्ड /इकाई क्षेत्र ● रोग के प्रकोप की उपस्थिति या अनुपस्थिति ● हार्वेस्टिंग का समय

यह दोनो प्रक्षेत्र प्रदर्शन दिसम्बर 2025 में प्रस्तावित है

प्रक्षेत्र परीक्षण 8

फसल/उद्यम	आम
शीर्षक	मध्यम आयु वर्ग के आम के बागों में (>25 वर्ष) में सेन्टर ओपनिंग के माध्यम से कैनोपी प्रबन्धन
कार्यक्षेत्र	संसाधन संरक्षण
मुख्य समस्या	आम के बागों का अत्यधिक घना होने के कारण आम की किस्म दशहरी और लंगड़ा की कम उत्पादकता
मुख्य कारण	कम प्रकाश अवरोधन कम प्रकाश संश्लेषण बीच-बीच में शाखाओं बाले अत्यधिक घने ऊँचे पेड़ पोषक तत्वों की असंतुलित मात्रा का प्रयोग गमोसिस प्रकोप
मूल्यांकन हेतु चयनित तकनीकों का विवरण	टी1- कृषक पद्धति छटाई नहीं करते टी2- सेन्टर ओपनिंग +सी0ओ0सी0-2 किग्रा0 एफ0वाई0एम0 : एन0,पी0,के0,बी0, जिंक व कॉपर सल्फेट @ 50 किग्रा0, 100, 750, 750, 250,250, 250 ग्रा0/पेड/वर्ष
कृषकों की संख्या	05
आई0पी0एम0 माड्यूल की लागत	6000 /-
प्रौद्योगिकी स्रोत	आई0सी0ए0आर0-सी0आई0एस0एच0, लखनऊ
क्रान्तिक आदान	सी0ओ0सी0, बोरोन, जिंक, और कॉपर सल्फेट
मूल्यांकन सूचक	<ul style="list-style-type: none"> ● छटाई के बाद फूल आने के दिन ● छटाई के बाद फल लगने के कुछ दिन ● फल का आकार ● फल की उपज ● रोग घटना और कीट संक्रमण का प्रतिशत

यह प्रक्षेत्र प्रदर्शन दिसम्बर 2025 में प्रस्तावित है

7- प्रथम पंक्ति प्रदर्शन विवरण (जनवरी 2025 से अक्टूबर 2025)

क्र. सं	फसल	कार्य क्षेत्र	प्रदर्शन हेतु तकनीक	सीजन एवं वर्ष	क्षेत्र (है0)	किसानों की संख्या / प्रदर्शन
1	सरसों	एकीकृत फसल प्रबन्धन	उन्नत प्रजाति आर.एच. – 761 का प्रदर्शन (एन.एफ.एस.एम.)	रबी 2024–25	100.00	250
2	गेहूँ	प्रजातीय प्रदर्शन	उन्नत प्रजाति डी0बी0डब्ल्यू –303 का प्रदर्शन	रबी 2025–26	10.00	10
3	धान	प्रजातीय प्रदर्शन	उन्नत प्रजाति पूसा बासमती –1847 का प्रदर्शन	खरीफ 2025	10.00	20
4	धान	एकीकृत पोषण प्रबन्धन	धान में फ़ैरस सल्फेट 25 किग्रा0/है0	खरीफ 2025	4.0	10
5	गेहूँ	एकीकृत पोषण प्रबन्धन	गेहूँ में नैनो युरिया एवं नैनो डी0ए0पी0 का प्रयोग	रबी 2025–26	4.0	10
6	भिण्डी	एकीकृत कीट प्रबन्धन	भिण्डी में फलभेदक कीट का नियंत्रण हेतु टेट्रानिलीप्रोल 18.8 प्रतिशत एस0सी0 का प्रयोग	जायद 2025	4.0	10
7	धान	एकीकृत कीट प्रबन्धन	धान में तनाछेदक कीट का नियंत्रण हेतु क्लोरेट्रनिलीप्रोल 0.4 जी0आर0 का प्रयोग	खरीफ 2025	4.0	10
8	परवल	एकीकृत कीट प्रबन्धन	फल मक्खी के नियंत्रण हेतु क्यू–ल्योर ट्रैप्स @ 5 ट्रैप्स/एकड़	खरीफ 2025	4.0	10
9	दाल एवं सब्जियाँ	मूल्यवर्धन एवं आय संवर्धन	पोषण संवर्धन एवं आयसंवर्धन एवं हेतु दाल एवं सब्जियों की बढ़ी	जायद 2025	0	10
10	पोषण वाटिका	गृहवाटिका द्वारा पोषण सुरक्षा	नियोजित गृह वाटिका (150 वर्ग मी0) का प्रदर्शन	वर्ष 2025–26	0.35	25
11	पशु गाय	डेयरी प्रबन्धन	दुग्ध उत्पादन में बढ़ोत्तरी के लिए मिनरल मिक्सचर का प्रयोग	वर्ष 2025	0	25
कुल योग					140.35	390

कलस्टर प्रथम पंक्ति प्रदर्शन के परिणाम

फसल	प्रदर्शन तकनीक	प्र0सं0	क्षे0 (है0)	उपज कु0/है0			आर्थिक विश्लेषण प्रदर्शन (रू0/है0)				आर्थिक विश्लेषण स्थानीय (रू0/है0)			
				प्रदर्शन	स्थानीय	वृद्धि (%)	कुल लागत	कुल आय	शुद्ध आय	लागत: लाभ	कुल लागत	कुल आय	शुद्ध आय	लागत:लाभ
सरसों रबी 2024-25	एकीकृत फसल प्रबन्धन (आर0एच0-761)	250	100.00	23.70	17.65	34.27	37680	141015	103335	3.74	34740	105018	70278	3.02

विक्रय मूल्य सरसों 5950 कु0/है0



सी0एफ0एल0डी0-सरसों

प्रथम पंक्ति प्रदर्शन के परिणाम

Crop	Thematic Area	technology demonstrated	Variety	No. of Farmers	Area (ha)	Parameters name (No. of branches, No. of fillers, No. of pods or grains per plant, duration (days), No. of plants/sq mt.)	Yield (q/ha)				% Increase in yield	Economics of demonstration (Rs./ha)				Economics of check (Rs./ha)			
							Demo			Check		Gross Cost	Gross Return	Net Return	BCR (R/C)	Gross Cost	Gross Return	Net Return	BCR (R/C)
							High	Low	Average										
Cereals																			
Wheat	ICM	Newvariety	DBW-303	20	4.0	No. of tillars / Sq. mtr	71.00	64.00	67.5	50.6	33.39	61790	203750	142000	1:3.4	51270	161275	110005	1:3.1
Paddy	ICM	Use of New variety	PB-1847	10	4.0	No. of tillars / Sq. mtr	50.00	44.0	47.00	42.0	11.90	52000	146500	94500	1:2.8	47000	119000	72000	1:2.5



प्रथम पंक्ति प्रदर्शन के परिणाम

फसल	प्रदर्शन तकनीक	प्र0सं0	क्षे0 (है0)	उपज कु0/है0			आर्थिक विश्लेषण प्रदर्शन (रू0/है0)				आर्थिक विश्लेषण स्थानीय (रू0/है0)			
				प्रदर्शन	स्थानीय	वृद्धि (%)	कुल लागत	कुल आय	शुद्ध आय	लागत: लाभ	कुल लागत	कुल आय	शुद्ध आय	लागत:लाभ
धान खरीफ 2025	एकीकृत पोषण प्रबन्धन	10	4.0	45.69	43.18	5.81	58690	141639	82949	2.41	59780	133858	74078	2.24
गेहूँ रबी 225-26	एकीकृत पोषण प्रबन्धन	10	4.0	प्रतीक्षारत										



धान में नैनो डी0ए0पी0 व नैनो यूरिया का प्रयोग

फसल	प्रदर्शन तकनीक	प्र0सं0	क्षे0 (है0)	उपज कु0/है0			आर्थिक विश्लेषण प्रदर्शन (रू0/है0)				आर्थिक विश्लेषण स्थानीय (रू0/है0)			
				प्रदर्शन	स्थानीय	वृद्धि (%)	कुल लागत	कुल आय	शुद्ध आय	लागत: लाभ	कुल लागत	कुल आय	शुद्ध आय	लागत:लाभ
भिण्डी जायद 2025	एकीकृत कीट प्रबन्धन	10	4.0	220.0	160.0	37.5	82100	264000	18190	3.22	70500	192000	12500	2.72
धान -खरीफ 2025	एकीकृत कीट प्रबन्धन	10	4.0	39.0	32.5	20.0	43000	93171	50171	2.17	37000	77643	40643	2.09
परवल -खरीफ 2025	एकीकृत कीट प्रबन्धन	10	4.0	108.5	86.0	26.16	60200	238700	178500	4.0	55100	189200	134100	3.4

भिण्डी विक्रय मूल्य 1200 रू0/कु0, धान विक्रय मूल्य 2389 रू0/कु0, परवल विक्रय मूल्य 2200 रू0/कु0



भिण्डी में फलभेदक कीट प्रबन्धन



धान में कीटभेदक प्रबन्धन



परवल में फलमक्खी का प्रबन्धन

फसल	प्रदर्शन तकनीक	प्र0सं0	मूल्यवर्धित उत्पाद	उपज कु0/है0	आर्थिक विश्लेषण प्रदर्शन (रु0)				आर्थिक विश्लेषण स्थानीय (रु0)			
				प्रदर्शन (पोषक मान)	कुल लागत	कुल आय	शुद्ध आय	लागत:लाभ	कुल लागत	कुल आय	शुद्ध आय	लागत:लाभ
दाल + सब्जी	आयसर्वधन एवं पोषण सर्वधन हेतु दाल एवं सब्जियों की बड़ी	10	1 किग्रा0	पोषक तत्व की उपलब्धता – प्रोटीन में 51 , आयरन 78 एवं खनिज लवण 62 , रेशा-36 एवं आय में 108 प्रतिशत की वृद्धि	135.0	375	240	1:2.7	110	225	115	1:2.0

क्रयमूल्य –रु0 375/किग्रा0

फसल	प्रदर्शन तकनीक	प्र0सं0	क्षे0 (है0)	उपज /किग्रा0	उत्पादन में प्रतिशत वृद्धि (रु0/है0)	आर्थिक विश्लेषण प्रदर्शन (रु0)				आर्थिक विश्लेषण स्थानीय (रु0)				
						कुल लागत	कुल आय	शुद्ध आय	लागत:लाभ	कुल लागत	कुल आय	शुद्ध आय	लागत:लाभ	
पोषण वाटिका रबी 2025 (वर्ष भर)	गृहवाटिका द्वारा पोषण सुरक्षा	25	0.35	415 किग्रा0/कृषक	72 किग्रा	476.0	2600	12450	9850	1:4.8	600	2160	1560	1:3.6

क्रय मूल्य- रु0 30 किग्रा0



आयसर्वधन एवं पोषण सर्वधन हेतु दाल एवं सब्जियों की

गृहवाटिका द्वारा पोषण सुरक्षा

फसल	प्रदर्शन तकनीक	पशुओं की संख्या	प्रमुख सूचक		उपज कु0/है0		वृद्धि (%)	आर्थिक विश्लेषण प्रदर्शन (रू0/है0)				आर्थिक विश्लेषण स्थानीय (रू0/है0)			
			प्रदर्शन	स्थानीय	प्रदर्शन	स्थानीय		कुल लागत	कुल आय	शुद्ध आय	लागत: लाभ	कुल लागत	कुल आय	शुद्ध आय	लागत:लाभ
गाय 2025	डेयरी पशुओं में मिनरल मिक्चर का प्रयोग	25	दूध उत्पादन	दूध उत्पादन	7.60	7.06	7.6	31730	37620	5890	1:1.18	31730	34947	3217	1:1.10



डेयरी पशुओं में मिनरल मिक्चर का प्रयोग

8. अन्य गतिविधियों वर्ष – 2025
प्राकृतिक खेती एवं किण्वन उर्वरक

गतिविधियाँ	संख्या	दिन	लाभार्थी
प्रशिक्षण कार्यक्रम	02	02	40
जागरूकता कार्यक्रम	01	01	200
प्रदर्शन	11	-	40

स्थान	फसल	प्रजाति	क्षेत्रफल	प्राकृतिक खेती		कृषक पद्धति	
				औसत उपज (कु/है०)	लागत/है०	औसत उपज (कु/है०)	लागत/है०
के०वी०के०फार्म	सरसों	प्रतीक्षारत					
वृषको के प्रक्षेत्र पर	सरसों						
वृषको के प्रक्षेत्र पर	गेहूँ						
वृषको के प्रक्षेत्र पर	गेहूँ						



वर्ष 2025 अंगीकृत गाँव में किये गये कार्य का विवरण

1. ग्राम— झिटकरी

क्र०सं०	कार्यक्रम	दिनांक	लाभार्थी
1	अंगीकृत गाँव का चुनाव—झिटकरी, सरधना, मेरठ	02.01.2025	
2.	कलस्टर प्रथम पंक्ति प्रदर्शन कार्यक्रम—अंगीकृत गाँव झिटकरी	17.10.2025	
3	प्रथम पंक्ति प्रदर्शन (गन्ना संतुलित उर्वरक)	02.01.2025	
4	कृषक वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम अंगीकृत गाँव झिटकरी	25.03.2025	
5	किसान भ्रमण मेला विश्वविद्यालय, मेरठ	14.10.2025	

6	विकसित कृषि संकल्प यात्रा	05.06.2025	
7	कलस्टर प्रथम पंक्ति प्रदर्शन (तिलहन-सरसों)	20.03.2025	
8	प्रथम पंक्ति प्रदर्शन (गेहूँ-डी0बी0डब्ल्यू-303)	20.03.2025	
9	कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम	20.03.2025	

2.ग्राम— अन्दावली

क्र०सं०	कार्यक्रम	दिनांक	लाभार्थी
1	कृषक प्रशिक्षण	17.01.2025	
2	कृषक प्रशिक्षण	06.03.2025	
3	प्रगतिशील कृषकों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम	25.03.2025	
4	स्वच्छता अभियान	3.05.2025	
5	प्रथम पंक्ति प्रदर्शन आदान वितरण कार्यक्रम	30.06.2025	

6	कृषक प्रशिक्षण	29.07.2025	
7	कृषक प्रशिक्षण	07.08.2025	
8	प्रथम पंक्ति प्रदर्शन आदान वितरण कार्यक्रम	14.08.2025	
9	कृषक प्रशिक्षण	22.08.2025	
10	गाजर घास उन्मूलन कार्यक्रम	22.08.2025	
11	प्रक्षेत्र भ्रमण	09.09.2025	

हँगर फ्री विलेज के अर्न्तगत अंगीकृत गाँव में वर्ष 2025 किये गये कार्य का विवरण

क्र० सं०	सूचनाओं का विवरण	
1	अंगीकृत किये गये गाँव का नाम एवं पता	ग्राम— समसपुर, पोस्ट—बहसुमा, ब्लॉक—हस्तिनापुर, तहसील—मवाना मेरठ— पिनकोड—250404

क्र०सं०	कार्यक्रम	दिनांक	लाभार्थी
1	गृह वाटिका हेतु सब्जियों के बीजों के मिनी किट का वितरण	04 फरवरी 2025	20
2	मोटे अनाजों के प्रति जागरूकता कार्यक्रम	04 फरवरी 2025	20
3	मल्टी ग्रेन एवं मोटे अनाज की खिचड़ी (फूड फोर्टिफिकेशन)	10 फरवरी 2025	20



प्रगति रिपोर्ट श्री अन्न (2025)

क्र०सं०	कार्यक्रम	कार्यक्रम की संख्या	लाभार्थी
1	जागरूकता कार्यक्रम	02	40
2	प्रशिक्षण कार्यक्रम	02	40
3	ऑगनवाडी कार्यकर्ताओं हेतु कार्यक्रम	01	15
	कुल	05	95



स्वच्छता अभियान 2025

क्र०सं०	कार्यक्रम	कार्यक्रम की संख्या	लाभार्थी
1	कार्यालय में पुरानी फाइलों की छटनी	02	13
2	स्वच्छता मुहीम	05	72
3	स्वच्छता अभियान	14	450
4	कृषकों को वर्मी बैग एवं केचुआ वितरण	01	10
	कुल	22	545



वर्ष 2025 –महिला अध्ययन केन्द्र की गतिविधियाँ

अंगीकृत गाँव– मनोहरपुर

क्र० स०	गतिविधियाँ	दिनांक	प्रतिभागी की संख्या
1.	ग्लोबल परिवार दिवस	01.01.2025	15
2.	गणतंत्र दिवस	26.01.2025	10
3.	राष्ट्रीय महिला दिवस	10.02.2025	18
4.	अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस	08.03.2025	15
5.	नवसंवत्सर शुभारम्भ दिवस	01.04.2025	15
6.	पृथ्वी दिवस	22.04.2025	20



अन्य प्रसार कार्यक्रमों का विवरण

प्रसार कार्यक्रम	कार्यक्रम संख्या	किसान संख्या	प्रसारकर्मी संख्या	कुल योग
वैज्ञानिकों द्वारा सलाह	375	870	65	935
डाइग्नोस्टिक भ्रमण	55	80	32	112
प्रक्षेत्र दिवस	02	110	06	116
फिल्म शो	08	305	40	345
स्वयं सहायता समूह	08	390	28	418
किसान मेला सहभागिता	07	4490	222	4712
प्रदर्शनी	04	240	45	285
वैज्ञानिकों का कृषक प्रक्षेत्र पर भ्रमण	45	205	18	223
कृषक भ्रमण	06	425	28	453
कुल	510	7115	484	7599



व्हाटएप्स के माध्यम से सलाहकार सेवाएं

विषय	व्हाटअपस संदेश		संदेश		कुल	
	गतिविधियों का नाम	प्रतिभागियों की संख्या	गतिविधियों का नाम	प्रतिभागियों की संख्या	गतिविधियों का नाम	प्रतिभागियों की संख्या
सस्य विज्ञान	28	205	45	305	73	510
मृदा विज्ञान	40	255	48	340	88	595
गृह विज्ञान	26	230	43	315	69	545
पौध सुरक्षा	90	750	52	330	142	1080
पशुपालन	42	190	46	290	88	480
कुल	226	1630	234	1580	460	3210



9 अ). प्रक्षेत्र प्रगति

फसल एवं बीज उत्पादन (रबी 2024-25, खरीफ-2025)

फसल	प्रजाति	क्षे0 (है0)	उत्पादन वर्ग	उत्पादन (कु0)	आपूर्ति
सरसों (रबी 2024-25)	पूसा विजय	5.0	प्रमाणित	91.25 कु0 रु0 601200.0	आई0ए0आर0आई0, पूसा, नई दिल्ली
चारा (खरीफ-2025)	लोकल	5.0	चारा उत्पादन	232000	-

ब) मृदा परीक्षण

क्रसं0	नमूनों की संख्या	मृदा स्वास्थ्य कार्ड की सं0	धनराशि (रु0)
01	1300	1300	195000.00

स) क्रॉप कैफेटेरिया

फसल का नाम	प्रजाति / तकनीकी
सरसों	प्राकृतिक खेती का प्रदर्शन किण्वन उर्वरक

10. अन्य संस्थानों द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम

अ.) स्नातक कृषि छात्र प्रशिक्षण कार्यक्रम

ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (रावे) के अन्तर्गत सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ, आई आई एम टी एवं रूद्र इन्स्टीट्यूट के 48 छात्र व छात्राओं को केन्द्र पर 2 माह का व्यवहारिक प्रशिक्षण।



ब.) उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण तीन दिवसीय कृषक प्रशिक्षण

कृषि विज्ञान केन्द्र, हस्तिनापुर पर उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा तीन दिवसीय कृषक प्रशिक्षण दिनांक 17-19 जनवरी कराया गया जिसमें 50 कृषकों ने भाग लिया।



स.) जनपद स्तरीय मसाला उत्पादन गोष्ठी

उद्यान महाविद्यालय, सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ, द्वारा दिनांक 21.02.2025 को जनपद स्तरीय मसाला गोष्ठी/प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें जनपद के 100 मसाला उत्पादकों ने भाग लिया।



अन्य प्रसार गतिविधियाँ-2025

हँगर फ्री विलेज (समसपुर) में पोषण वाटिका एवं खाद्य पदार्थों के फोर्टिफिकेशन के प्रति जागरूकता एवं प्रदर्शन

कृषि विज्ञान केन्द्र हस्तिनापुर के द्वारा हँगर फ्री विलेज के अर्न्तगत अँगीकृत गाँव समसपुर में पोषण वाटिका एवं खाद्य पदार्थों के फोर्टिफिकेशन के प्रति जागरूकता एवं प्रदर्शन का आयोजन दिनांक 04 फरवरी से 10 फरवरी तक किया गया जिसमें ग्रामीण महिलाओं को जायद की सब्जियों का मिनी किट का वितरण किया गया साथ ही खाद्य पदार्थों के फोर्टिफिकेशन के अर्न्तगत मोटे अनाज की खिचड़ी एवं अनाज एवं दलहनों को अंकुरित कर अपनी पोषण थाली में सम्मिलित करने हेतु प्रेरित किया।



10 दिवसीय व्यवसायिक शुकर पालन रोजगारपरक प्रशिक्षण

कृषि विज्ञान केन्द्र हस्तिनापुर एवं सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महा विद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 03 मार्च से 12 मार्च 2025 तक 10 दिवसीय व्यवसायिक शुकर पालन पर रोजगारपरक प्रशिक्षण दिया गया जिसमें 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का आरंभ एवं समापन मुख्य अतिथि कुलपति प्रोफेसर डा0 के0के0 सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर निदेशक प्रसार डा0 पी0के0 सिंह एवं केन्द्र के प्रभारी अधिकारी डा0 राकेश तिवारी भी उपस्थिति रहे। कार्यक्रम का संचालन केन्द्र की पशुधन वैज्ञानिक डा0 सोनिका ग्रेवाल द्वारा किया गया।



जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम

कृषि विज्ञान केन्द्र हस्तिनापुर के सभागार में दिनांक 22.03.2025 को विषय "Enhancing the export of mango fruits through area wide management of fruit flies" प्रशिक्षण कार्यक्रम राष्ट्रीय पौध स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान, राजेन्द्र नगर, हैदराबाद एवं कृषि विज्ञान केन्द्र हस्तिनापुर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया जिसमें संस्थान के वैज्ञानिक डा० चन्द्र शेखर गुप्ता द्वारा जनपद में आम उत्पादक कृषकों को आम के फलमक्खी के प्रबन्धन एवं निर्यात हेतु उच्च गुणवत्ता युक्त फल के उत्पादन की विस्तार से जानकारी दी गयी तथा केन्द्र के पादप सुरक्षा वैज्ञानिक डा० नवीन चन्द्र ने आम की फसल में लगने वाले प्रमुख कीटों एवं उनके नियंत्रण के बारे में बताया।



उन्नत कृषि ग्राम के अर्न्तगत अंगीकृत ग्राम अन्दावली कृषक-वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम, किसान गोष्ठी एवं कृषक भ्रमण कार्यक्रम

दिनांक 25 से 26 मार्च .2025 को उन्नत कृषि ग्राम 2024-25 के अर्न्तगत ग्राम अन्दावली विकास खण्ड दौराला में कृषक-वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम, किसान गोष्ठी एवं कृषक भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किये गये इस कार्यक्रम में गाँव के 100 किसानों ने भाग लिया। गोष्ठी में डा० नवीन चन्द्र फसलों में लगने वाले रोग एवं कीट प्रबन्धन पर डा० सोनिका ग्रेवाल द्वारा पशुओं में लगने वाले रोगों एवं उनके स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी।



उन्नत कृषि ग्राम के अर्न्तगत अंगीकृत ग्राम झिटकरी कृषक-वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम, किसान गोष्ठी एवं कृषक भ्रमण कार्यक्रम

दिनांक 25 से 26 मार्च .2025 को उन्नत कृषि ग्राम 2024-25 के अर्न्तगत ग्राम झिटकरी विकास खण्ड दौराला में कृषक-वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम, किसान गोष्ठी एवं कृषक भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किये गये इस कार्यक्रम में गाँव के 100 किसानों ने भाग लिया। गोष्ठी में डा0 शुभम आर्य ने गन्ने की वैज्ञानिक खेती के बारे में विस्तृत संबधी जानकारी दी। इस अवसर पर ग्राम प्रधान भी मौजूद रहे।



राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन

राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के अर्न्तगत दिनांक 24.03.2025 से 27.03.2025 तक रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झाँसी में 04 दिवसीय प्राकृतिक खेती पर दो वैज्ञानिकों द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त किया गया। प्रशिक्षण में कृषि विज्ञान केन्द्र मेरठ के डा0 राकेश तिवारी एवं डा0 जे0के0 आर्य ने प्रतिभाग किया।



किसान मेला

दिनांक 26.03.2025 को उ0प्र0, सरकार के 08 वर्ष पूर्ण होने पर कृषि विभाग द्वारा चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ में किसान मेला एवं विशाल गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें डा0 शुभम आर्य द्वारा प्राकृतिक खेती एवं गन्ने के साथ सहफसली खेती को विस्तार पूर्वक बताया गया साथ ही पशुधन वैज्ञानिक डा0 सोनिका ग्रेवाल द्वारा पशुओं की बांझपन की समस्या एवं निदान के बारे में विस्तार पूर्वक समझाया गया।



विकसित भारत संकल्प अभियान कार्यक्रम (29 मई से 12 जून 2025)

कृषि विज्ञान केन्द्र, हस्तिनापुर के वैज्ञानिकों द्वारा दिनांक 29. मई से 12 जून .2025 (15 दिन) तक मेरठ जिले के 12 ब्लॉक के 135 गाँवों में विकसित भारत संकल्प अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न गाँवों में जाकर कृषि विज्ञान केन्द्र, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली एवं भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान, मोदीपुरम, मेरठ के निदेशक डा० सुशील कुमार जी ने कृषि विविधीकरण पर किसानों से वार्ता कर उनकी समस्याएँ खुलकर साझा की। केन्द्र के प्रभारी डा० राकेश तिवारी ने मृदा स्वास्थ्य व उसकी जाँच के महत्व, डा० नवीन चन्द्रा ने फसलों में लगने वाली बीमारियों, ग्रह वैज्ञानिक श्रीमती वीना यादव ने थाली में पोषक तत्वों एवं मोटे अनाज का महत्व, डा० सोनिका ग्रेवाल ने पशुओं से सम्बन्धित एवं डा० शुभम आर्य ने गन्ने की फसल की नई प्रजातियों पर व डा० जे०के०आर्य प्राकृतिक खेती के बारे में जानकारी दी। इस अभियान में कुल 17550 कृषक एवं कृषक महिला लाभान्वित हुये।



विकसित भारत संकल्प अभियान (कृषि मेला)

कृषि विज्ञान केन्द्र, हस्तिनापुर के वैज्ञानिकों द्वारा दिनांक 01.06.2025 विकसित भारत संकल्प अभियान के अर्न्तगत रोहटा ब्लॉक के ग्राम दबथुआ में किसान मेले का आयोजन किया गया जिसमें कृषि केन्द्रीय मंत्री माननीय श्री शिवराज सिंह चौहान जी, कृषि मंत्री माननीय श्री सूर्य प्रताप शाही जी व राज्य मंत्री माननीय श्री बलदेव सिंह औलख, माननीय सांसद, बागपत श्री राजकुमार सांगवान व श्री अरूण गोविल, विधायक मेरठ, मा० गुलाम मोहम्म, सिवाल खास, महा निदेशक आई०सी०ए०आर० डा० एम०एल० जाट, कुलपति, डा० के०के० सिंह , सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ एवं निदेशक प्रसार डा० पी०के० सिंह, उपस्थिति रहे। इस मेले में डा० जे०के० आर्य जी ने प्राकृतिक खेती के बारे में विस्तार से चर्चा की । कार्यक्रम में लगभग 9447 कृषक एवं कृषक महिलायें ने भाग लिया।



अन्तराष्ट्रीय योगा दिवस

दिनांक 21 जून 2025 को कृषि विज्ञान केन्द्र, हस्तिनापुर मेरठ के वैज्ञानिकों द्वारा अंगीकृत गाँव रहमापूर, मनोहरपुर, गणेशपुर झिटकरी में एक दिवसीय अन्तराष्ट्रीय योगा दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केन्द्र के समस्त स्टाफ सहित 155 कृषक एवं कृषक महिलाओं ने भाग लिया तथा इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों को योगा के महत्व एवं विभिन्न प्रकार के योग विधियों से अवगत कराया गया।



प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि कार्यक्रम

दिनांक 02 अगस्त 2025 को सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें कृषि विज्ञान केन्द्र हस्तिनापुर के 50 किसानों एवं कृषक महिलाओं ने इस कार्यक्रम में भाग लिया साथ ही स्वयं सहायता समूह एवं कृषक उत्पाद संगठन द्वारा निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी लगायी गयी। के0वी0के0 हस्तिनापुर में पी0एम0 किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किस्त के हस्तांतरण कार्यक्रम का सीधा प्रसारण केन्द्र के सभागार में आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम 84 किसानों ने 51 महिलायें सहित 135 किसानों ने भाग लिया।



स्वच्छता कार्यक्रम .

माह 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2025 के बीच में स्वच्छता कार्यक्रम के अर्न्तगत स्वच्छता से सम्बन्धित 15 कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें 350 कृषक एवं कृषक महिलाओं एवं छात्र, स्थानीय लोगों ने भाग लिया। इस अवसर पर स्वच्छता के प्रति जागरूकता कार्यक्रम, स्वच्छता शपथ, एवं परिसर पर साफ सफाई, स्वच्छता श्रंखला, का आयोजन किया गया।



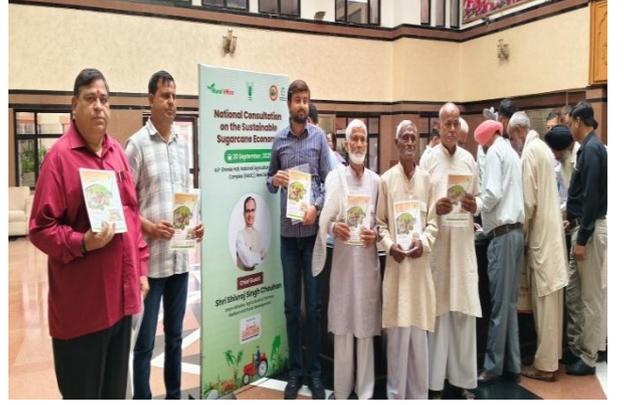
शरद कालीन गन्ने साथ सरसों की सहफसली खेती

दिनांक 19.09.2025 ग्राम गेसूपुर में किसान भाईयों के यहाँ में शरद कालीन गन्ने की बुवाई के साथ सरसों की सहफसली खेती का शुभारंभ किया इस अवसर पर उत्तर प्रदेश कृषि विभाग के अधिकारीगण एवं कर्मचारी मौजूद रहे।



एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला

दिनांक 30.09.2025 को आई0सी0ए0आर0, नई दिल्ली द्वारा गन्ने पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें कृषि विज्ञान केन्द्र हस्तिनापुर के प्रभारी अधिकारी डा0 राकेश तिवारी एवं मेरठ जनपद के पाँच प्रगतिशील कृषकों ने भाग लिया। इस अवसर पर कृषकों को गन्ने की नई प्रजाति एवं गन्ने के साथ सहफसली खेती जैसे मूँगफली, सरसों आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी।



प्रक्षेत्र भ्रमण

दिनांक 30.09.2025 ग्राम नगली खादर में किसान भाईयों को गन्ने की फसल में आने वाले रोग एवं कीटों की जानकारी एवं बचाव के सुझाव दी गयी। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश कृषि विभाग के अधिकारीगण एवं कर्मचारी मौजूद रहे।



संयुक्त मण्डलीय रबी उत्पादकता गोष्ठी

दिनांक 31 अक्टूबर, 2025 का नेताजी सुभाष चन्द्र बोस प्रेक्षागृह, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ में कृषि विज्ञान केन्द्र हस्तिनापुर के वैज्ञानिकों द्वारा स्टाल लगाकर कृषकों तकनीकी जानकारी उपलब्ध करायी गयी।



12. बजट विवरण

व्यय विवरण 2025-26 :(लाख में)

क्र०सं०	मद	स्वीकृत बजट	व्यय	शेष
(अ) चयनित मद				
1	वेतन व भत्ते आदि	14880000.0	18482875.0	-3602875.0
2	यात्रा भत्ता	90000.0	48500.0	41500.0
3	प्रासांगिक व्यय (एच० आर० डी०)	25000.0	3500.0	21500.0
a	स्टेशनरी, टेलीफोन, डॉक, प्रतिवेदन प्रकाशन व कार्यालय के सामान्य खर्च	200000.0	175200.0	24800.0
b	वाहन की मरम्मत, ईंधन, ट्रैक्टर व अन्य उपकरण	100000.0	53800.0	46200.0
c	रोजगार परक प्रशिक्षण	0	0	0
	अ) प्रशिक्षणार्थियों हेतु भोजन/नाश्ता (कैम्पस पर प्रशिक्षण हेतु रू० 75/- प्रति प्रशिक्षणार्थी प्रतिदिन व कैम्पस के बाहर रू० 40/- प्रति प्रशिक्षणार्थी प्रतिदिन)	200000.0	105600.0	94400.0
	ब) प्रशिक्षण सामग्री (पोस्टर, चार्ट, कृषि रसायनो सहित प्रशिक्षण हेतु अन्य प्रदर्शन सामग्री)	50000.0	23500.0	26500.0
d	तिलहन व दलहन के अतिरिक्त अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन (न्यूनतम प्रदर्शन प्रतिवर्ष 80)	200000.0	110500.0	89500.0
e	प्रक्षेत्र परीक्षण (आवश्यकता आधारित, स्थानीय दवा के अनुकूल एवं नई तकनीक पर आधारित) मुख्य उत्पादन तन्त्र के संदर्भ में।	50000.0	33400.0	16600.0
f	प्रसार कर्मियों का प्रशिक्षण (कैम्पस पर रू० 75/- प्रति प्रशिक्षणार्थी प्रतिदिन व कैम्पस के बाहर रू० 40/- प्रति प्रशिक्षणार्थी प्रतिदिन)	25000.0	7200.0	17800.0
g	पुस्तकालय(शोध पत्र, समाचार पत्र व पत्रिकाये आदि की खरीदारी)	5000.0	3550.0	1450.0
i	किसान मेला	0.0	0.0	0.0
J	अन्य खर्च	30000.0	0	30000.0
	योग	15855000.0	19047625.0	-3192625.0

कार्य योजना

(जनवरी से दिसम्बर 2026)

13 कार्य योजना सार

(1.) कृषि विज्ञान केन्द्र के कार्यों का लक्ष्य

प्रक्षेत्र परीक्षण		अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन	
प्रक्षेत्र परीक्षण संख्या	किसानों की संख्या	अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन संख्या	क्षेत्रफल (है०)
12	38	210	64.3

प्रशिक्षण		प्रसार गतिविधियाँ	
पाठ्यक्रमों की संख्या	भागीदारों की संख्या	कार्यक्रमों की संख्या	भागीदारों की संख्या
114	2080	668	6799

कार्यक्रम	लक्ष्य
बीज उत्पादन	100 (कु०)
पौध उत्पादन	20000 (सं०)
मृदा नमूनों का परीक्षण	1200

कार्य योजना का पूर्ण विवरण

14. प्रक्षेत्र परीक्षण विवरण

प्रक्षेत्र परीक्षण 1

फसल/उद्यम	गन्ना
शीर्षक	गन्ने में तनाभेदक, चोटी भेदक कीट का एकीकृतनाशी जीव प्रबन्धन माड्यूल का आकलन
कार्यक्षेत्र	एकीकृत नाशी जीव का प्रबन्धन
मुख्य समस्या	गन्ने कीउपज में नुकसान (10-24 प्रतिशत) फसल से किसानों की आय में कमी आ रही है।
प्रमुख कारण	तनाभेदक, चोटीभेदक कीट के संक्रमण के कारण गन्ने की कम गुणवत्ता एवं उत्पादकता का होना। तनाभेदक, चोटी भेदक कीट बेधक के संक्रमण के कारण गन्ने की वजन एवं लम्बाई का कम होना। बेधक कीटों के नियंत्रण हेतु प्रयोग अविवेकपूर्ण उपयोग के कारण गन्ने के उत्पादों में अत्यधिक अपष्टिों का होना। नत्रजन उर्वरकों का अधिक प्रयोग के कारण कीटों का संक्रमण में वृद्धि।
व्यवधानों के नाम	टी1-कृषक प्रणाली -फयूराडान 3 जी0 @30 किग्रा0/है0 और क्लोरान्द्रानिलीप्रोल 18.5 एस0एल0 @ 375 मिली0/है0 टी2-गन्ने की खेती एक कली विधि को वरीयता <ul style="list-style-type: none"> बीज उपचार : क्लोरपायरीफास 20 ई0सी0 @ 40 मिली और कार्बेन्डाजिम @ 50 ग्राम/10 ली0 पानी के साथ मृदा अनुप्रयोग : विजाई के समय फरटेरा 0.4 जी @ 22.5 कि0ग्रा0/है0 और बुवाई के 60 दिन बाद क्लोरान्द्रानिलीप्रोल 18.5 एस0एल0 @ 375 मिली0/है0 को 700 ली0 पानी के साथ सराबार (ड्रेचिंग) करना। ट्राइकोकार्ड की स्थापना-7.5 कार्ड प्रति है0 दर (50000 अण्ड परजीवी) 45,60,75,150 और 180 दिनों के बुवाई के पश्चात फेरोमोन ट्रैप: बुवाई के 45 दिन बाद 27 ट्रैप/है0 की दर से स्थापित करना व 45 दिनों के बाद ल्यूर को बदलना।
कृषकों की संख्या	05
क्षेत्रफल	2.0 है0 0.4 X 5 2.0
आई0पी0एम0 माड्यूल की लागत	रू0 9038 /प्रति एकड कुल रू0 45190
प्रौद्योगिकी स्रोत	भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ
क्रान्तिक आदान	क्लोरपायरीफास 20 ई0सी0, कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यू पी0 फरटेरा 0.4 जी , ट्राइकोकार्ड और फेरोमोन ट्रैप ल्यूर सहित
वैज्ञानिकों के नाम	डा0 नवीनचन्द्र

प्रक्षेत्र परीक्षण 2

फसल/उद्यम	गन्ना (जायद 2026)
शीर्षक	गन्ने का कम उत्पादन
मुख्य समस्या	असंतुलित उर्वरक प्रयोग के कारण रोग एवं कीटों का प्रकोप
कार्यक्षेत्र	एकीकृत पोषक प्रबन्धन
तकनीकी का विवरण एवं आकलन	टी1- कृषक पद्धति (बहाव वाली सिचाई + 400 किलो यूरिया + 130 किलो डी0ए0पी0 + 0 किग्रा0 पोटाश) टी2- मृदा परीक्षण के आधार पर संतुलित उर्वरक प्रयोग + मृदानमी संकेतक यंत्र
कृषकों की संख्या	03
क्षेत्रफल	0.4 * 3 =1.2 है0
क्रान्तिक आदान	मृदानमी संकेतक यंत्र मृदा परीक्षण के आधार पर संतुलित उर्वरक प्रयोग
प्रौद्योगिकी स्रोत	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली
वैज्ञानिकों के नाम	डा0 राकेश तिवारी

प्रक्षेत्र परीक्षण 3

फसल/उद्यम	धान (खरीफ 2026)
शीर्षक	रसायनों द्वारा रोपित धान में खरपतवार नियंत्रण।
मुख्य समस्या	खरपतवारों के कारण धान की उपज में कमी।
कार्यक्षेत्र	एकीकृत खरपतवार प्रबन्धन (पी0बी0-1509)
तकनीकी का विवरण एवं आकलन	टी1- बिस्पायरीबेक सोडियम 10 % @ 200 से 250 मिली0/है0 टी2- थ्रिफामोन 20 % + इथाक्सी सल्फयूरान 10 % डब्ल्यू0 जी0 @ 90 ग्रा0/है0 टी3- बिस्पायरीबेक सोडियम 38 % + क्लोरिम्यूरान इथाईल 2.5 % + मैटसल्फयूरान मिथाइल 2.5 % (डब्ल्यू0/डब्ल्यू) डब्ल्यू0 जी0 @ 100 ग्रा0/है0
कृषकों की संख्या	06
क्षेत्रफल	(10 * 800) =8000 वर्ग मी0 (2 एकड)
क्रान्तिक आदान	खरपतवारनाशी ।
प्रौद्योगिकी स्रोत	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली, खरपतवार अनुसंधान निदेशालय, जबलपुर ।
वैज्ञानिकों के नाम	डा0 शुभम आर्य

प्रक्षेत्र परीक्षण 4

फसल/उद्यम	गेहूँ (रबी 2025-26)
शीर्षक	देरी से बोयी जाने वाली गेहूँ की फसलों का कम उत्पादन।
मुख्य समस्या	किसानों द्वारा छिटकवों विधि से परम्परागत प्रजातियों को बोना।
कार्यक्षेत्र	एकीकृत फसल प्रबन्धन
तकनीकी का विवरण एवं आकलन	टी1- परम्परागत प्रजातियों का प्रयोग (डी0बी0डब्ल्यू 173) और उर्वरक-100:60:0 किग्रा0 एन0पी0के0/है0 टी2- पंक्तियों में बुवाई गेहूँ प्रजाति एच0डी0 3298 + उर्वरकों की संस्तुति मात्रा @ 80: 60:40 और जिंक (मृदा परीक्षण के आधार पर)
कृषकों की संख्या	06
क्षेत्रफल	800 वर्ग मी0/किसान (15 से 30 दिसम्बर के बीच)
क्रान्तिक आदान	बीज + संतुलित उर्वरक ।
प्रौद्योगिकी स्रोत	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली,
वैज्ञानिकों के नाम	डा0 शुभम आर्य

प्रक्षेत्र परीक्षण 5

फसल/उद्यम	भैंस(आयु 5 से 8 वर्ष)
शीर्षक	भैंस में रिपीट ब्रीडिंग का प्रबंधन
कार्यक्षेत्र	रिपीट ब्रीडिंग की अधिक प्रवर्ति
मुख्य समस्या	पोषण की कमी और हार्मोनल असंतुलन
मूल्यांकन हेतु चयनित तकनीकों का विवरण	T1: कृषक प्रणाली :चोकर एवं साधारण नमक का प्रयोग —कृमिनाशक + फीड अनुपूरक (ट्रेस मिनरल) का उपयोग@50 ग्राम प्रति दिन /पशु तीन महीने के लिए + यदि आवश्यक हो तो हार्मोनल उपचार
कृषकों की संख्या	10 + 10
कार्य क्षेत्र	प्रजनन एवं ब्रीडिंग प्रबंधन
आई0पी0एम0 माडयूल की लागत	रुपये 10000/ व्यवधानों के नाम
प्रौद्योगिकी स्रोत	आईसीएआर-आई0वी0आर0आई0, इज्जतनगर
क्रान्तिक आदान	खनिज मिश्रण, कृमिनाशक एवं आवश्यकतानुसार हार्मोनल उपचार
मूल्यांकन सूचक	<ul style="list-style-type: none"> ● तकनीकी <ul style="list-style-type: none"> ○ नॉन रिटर्न रेट ● ब्यांत से गर्भधारण तक का अंतराल <ul style="list-style-type: none"> ○ गर्भाधान दर ● आर्थिक: सी:बी अनुपात ● सामाजिक: अपनाने की ग्राहता

प्रक्षेत्र परीक्षण 6

फसल/उद्यम	भैंस
शीर्षक	डेयरी पशुओं में प्रसवपूर्व तथा प्रसवोत्तर समस्याओं का प्रबंधन
कार्यक्षेत्र	पेरीपारतुरिएन्ट अवधि (प्रसवपूर्व तथा प्रसवोत्तर) के दौरान खराब प्रबंधन
मुख्य समस्या	पोषक तत्वों की कमी और हार्मोनल असंतुलन
मूल्यांकन हेतु चयनित तकनीकों का विवरण	T1: कृषक प्रणाली :चोकर एवं साधारण नमक का प्रयोग — पेरीपारतुरिएन्ट अवधि (प्रसवपूर्व तथा प्रसवोत्तर) के दौरान फीड अनुपूरक (मेटाबॉलाइट मिक्सचर) का उपयोग @100 ग्राम प्रति दिन /पशु
कृषकों की संख्या	10 + 10
कार्य क्षेत्र	प्रजनन एवं ब्रीडिंग प्रबंधन
आई0पी0एम0 माड्यूल की लागत	रुपये 10000/
प्रौद्योगिकी स्रोत	आईसीएआर—एन0डी0आर0आई करनाल
क्रान्तिक आदान	मेटाबॉलाइट मिक्सचर
मूल्यांकन सूचक :	<p>तकनीकी प्रसवोत्तर</p> <ul style="list-style-type: none"> • समस्याओं का प्रकोप <ul style="list-style-type: none"> • सर्विस पीरियड • गर्भाधान दर • आर्थिक: सी:बी अनुपात • सामाजिक: अपनाने की ग्राहता

प्रक्षेत्र परीक्षण 7

फसल/उद्यम	मत्स्य
शीर्षक	मत्स्य आहार में सेलेनियम और अमीनो एसिड युक्त मछली के चारे में सेलेनियमविट—खनिज मिश्रण खनिज मिश्रण का प्रयोग
कार्यक्षेत्र	खिलाने के बावजू मछली धीमी वृद्धि जिससे हार्वेस्टिंग में देरी होना मछली की वृद्धि के लिए संतुलित आहार का अभाव
मुख्य समस्या	विटामिन और खनिजों का प्रयोग नहीं करना <ul style="list-style-type: none"> • मछलियों को अनियमित आहार देना • तालाबों में चारा प्रबंधन पर तकनीकी ज्ञान का अभाव • किसानों द्वारा अनजाने में लागत में कटौती करना क्योंकि फीड इनपुट लागत का एक बड़ा हिस्सा लेता है
मूल्यांकन हेतु चयनित तकनीकों का विवरण	T1: कृषक प्रणाली :विटामिन और खनिजों का प्रयोग नहीं करना — मछली के चारे में सेलेनियम विटामिन —खनिज मिश्रण
कृषकों की संख्या	04
आई0पी0एम0 माड्यूल की लागत	रुपये 8000/
प्रौद्योगिकी स्रोत	आईसीएआर—सीफा, भुवनेश्वर
क्रान्तिक आदान	सेलेनियम विटामिन —खनिज मिश्रण
मूल्यांकन सूचक :	<ul style="list-style-type: none"> • फीड रूपांतरण अनुपात (एफसीआर), • जल गुणवत्ता पैरामीटर • मछली की यील्ड /इकाई क्षेत्र • रोग के प्रकोप की उपस्थिति या अनुपस्थिति • हार्वेस्टिंग का समय

प्रक्षेत्र परीक्षण 8

फसल/उद्यम	आम
शीर्षक	मध्यम आयु वर्ग के आम के बागों में (>25 वर्ष)में सेन्टर ओपनिंग के माध्यम से कैनोपी प्रबन्धन
कार्यक्षेत्र	संसाधन संरक्षण
मुख्य समस्या	आम के बागों का अत्यधिक घना होने के कारण आम की किस्म दशहरी और लंगड़ा की कम उत्पादकता
मुख्य कारण	कम प्रकाश अवरोधन कम प्रकाश संश्लेषण बीच-बीच में शाखाओं बाले अत्यधिक घने ऊँचे पेड़ पोषक तत्वों की असंतुलित मात्रा का प्रयोग गमोसिस प्रकोप
मूल्यांकन हेतु चयनित तकनीकों का विवरण	टी1- कृषक पद्धति छटाई नहीं करते टी2- सेन्टर ओपनिंग +सी0ओ0सी0-2 किग्रा0 एफ0वाई0एम0 : एन0,पी0,के0,बी0, जिंक व कॉपर सल्फेट @ 50 किग्रा0, 100, 750, 750, 250,250, 250 ग्रा0/पेड/वर्ष
कृषकों की संख्या	05
आई0पी0एम0 माड्यूल की लागत	6000/-
प्रौद्योगिकी स्रोत	आई0सी0ए0आर0-सी0आई0एस0एच0, लखनऊ
क्रान्तिक आदान	सी0ओ0सी0, बोरोन, जिंक, और कॉपर सल्फेट
मूल्यांकन सूचक :	छटाई के बाद फूल आने के दिन <ul style="list-style-type: none"> • छटाई के बाद फल लगने के कुछ दिन • फल का आकार • फल की उपज • रोग घटना और कीट संक्रमण का प्रतिशत

हँगर फ्री विलेज के अर्न्तगत अंगीकृत गाँव का विवरण

गाँव का नाम व पता— समसपुर, पोस्ट—बहसुमा, ब्लॉक— हस्तिनापुर, तहसील—मवाना मेरठ— पिनकोड—250404

सर्वेक्षण के आधार पर समस्याओं की पहचान

मुख्य समस्यायें	आवश्यकता आधारित समाधान	गतिविधियाँ
दैनिक पोषण संबंधी आवश्यकता के बारे में जानकारी का अभाव	सभी खाद्य समूहों के साथ आहार चार्ट के बारे में ज्ञान संवर्धन. विभिन्न आयु वर्ग के लिए पोषण थाली	प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम
पोषक तत्वों से भरपूर और समृद्ध भोजन के सही स्रोतों के बारे में अनुपलब्धता और अनभिज्ञता	फलों और सब्जियों की बायो फोर्टिफाइड किस्मों के साथ साल भर चलने वाले न्यूट्री-गार्डन की स्थापना	प्रदर्शन (रसोई बागवानी) – प्रशिक्षण
आहार विविधता का अभाव	स्थानीय रूप से उपलब्ध भोजन और पौधों के माध्यम से पोषक तत्वों का संवर्धन	प्रदर्शन एवं जागरूकता कार्यक्रम (खाद्य फोर्टिफिकेशन)
कम क्रय शक्ति	एसएचजी के साथ जुड़ाव	प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम

हँगर फ्री विपेज के अर्न्तगत प्रस्तावित कार्ययोजना वर्ष 2026

क्र०सं०	वर्ष 2026	प्रदर्शन
1	पोषण सुरक्षा हेतु गृहवाटिका एवं बायोफोर्टिफाइड सब्जियों की प्रजातियों का वितरण	20
2	आलू की बायोफोर्टिफाइड प्रजाति—(कुफरी नीलकंठ)	05
3	गेहूँ की बायोफोर्टिफाइड प्रजाति (एच0डी0-3298 / डब्ल्यू -02)	02
4	उपलब्ध खाद्य पदार्थों का फूड फोर्टिफिकेशन	05

- मुख्य कार्य बिन्दु—बायो फोर्टिफाइड फसल/सब्जियों की प्रजातियों का अंगीकृत गाँव में प्रचार करना
- स्थानीय खाद्य पदार्थों का फोर्टिफिकेशन/पोषक तत्वों का संवर्धन
- गृहवाटिका का स्थापना करना

15. प्रदर्शन (दलहनी फसलों पर प्रथम पंक्ति प्रदर्शन)

क्र. सं.	फसल	कार्य योग्य क्षेत्र	प्रदर्शन हेतु तकनीक	कृषि निवेश	सीजन एवं वर्ष	क्षेत्र (हे०)	किसानों की संख्या / प्रदर्शन	परिणाम सूचक
								उपज/लाभ व अन्य तकनीकी सूचक
1	धान	प्रजातीय प्रदर्शन	उन्नत प्रजाति पूसा बासमती-1847 का प्रदर्शन	बीज	खरीफ 2026	10.00	20	<ul style="list-style-type: none"> ■ उत्पादन लागत ■ कुल आय ■ शुद्ध आय ■ लागत-आय अनुपात ■ उपज में वृद्धि (%) ■ तकनीकी के अनुसार उपज में वृद्धि
2	गेहूँ	प्रजातीय प्रदर्शन	उन्नत प्रजाति डी०बी०डब्ल्यू-303 का प्रदर्शन	बीज	रबी 2025-26	10.00	10	<ul style="list-style-type: none"> ■ उत्पादन लागत ■ कुल आय ■ शुद्ध आय ■ लागत-आय अनुपात ■ उपज में वृद्धि (%) ■ तकनीकी के अनुसार उपज में वृद्धि
3	सरसों	एकीकृत फसल प्रबन्धन	उन्नत प्रजाति-आर०एच०-761	बीज 5 किग्रा०/हे० + सल्फर	रबी 2025-26	20.0	50	<ul style="list-style-type: none"> ■ उत्पादन लागत ■ कुल आय ■ शुद्ध आय ■ लागत-आय अनुपात ■ उपज में वृद्धि (%) ■ तकनीकी के अनुसार उपज में वृद्धि
4	धान	एकीकृत पोषण प्रबन्धन	नैनो यूरिया एवं नैनो डी०ए०पी० का प्रयोग	नैनो यूरिया एवं नैनो डी०ए०पी०	खरीफ 2025	8.0	20	<ul style="list-style-type: none"> ■ उत्पादन लागत ■ कुल आय ■ शुद्ध आय ■ लागत-आय अनुपात ■ उपज में वृद्धि (%)
5	गेहूँ	एकीकृत पोषण प्रबन्धन	नैनो यूरिया एवं नैनो डी०ए०पी० का प्रयोग	नैनो यूरिया एवं नैनो डी०ए०पी०	रबी 2025-26	8.0	20	<ul style="list-style-type: none"> ■ उत्पादन लागत ■ कुल आय ■ शुद्ध आय ■ लागत-आय अनुपात ■ उपज में वृद्धि (%)
6	पोषण बगीचा (रबी, खरीफ, जायद)	पोषण सुरक्षा	किचन गार्डन में जैविक सब्जियों का उत्पादन। (150 वर्गमी०)	वर्मीकम्पोस्ट 50 किग्रा०/ईकाइ एवं बीज	वर्ष- 2026	0.3	30	<ul style="list-style-type: none"> ■ लागत लाभ अनुपात ■ सकल उत्पादन ■ स्वास्थ्य सुरक्षा

7	बैंगन (अंकुर)	एकीकृत कीट प्रबंधन	स्पाइनोसेड (ट्रेसर 240 S.C. @ 75 मिली0/एकड 15 दिन के अन्तराल में 2 स्प्रे	स्पाइनोसेड	जायद 2026	4.0	10	<ul style="list-style-type: none"> ■ कीट क्षति % ■ उत्पादन लागत ■ कुल आय ■ शुद्ध आय ■ लागत-आय अनुपात ■ उपज वृद्धि %
8	भिन्डी (सम्राट)	एकीकृत कीट प्रबंधन	ट्रेट्रानिलीप्रोल 18.18 @ 100 मिली0/एकड 15 दिन के अन्तराल में 2 स्प्रे	ट्रेट्रानिलीप्रोल	जायद 2026	4.0	10	<ul style="list-style-type: none"> ■ कीट क्षति % ■ उत्पादन लागत ■ कुल आय ■ शुद्ध आय ■ लागत-आय अनुपात ■ उपज वृद्धि %
9	गन्ना (सी0ओ0 -0238)	एकीकृत कीट प्रबन्धन	थायोमेथाक्जॉन 1 प्रतिशत + क्लोरेन्ट्रानिलीप्रोल 0.5 प्रतिशत जी0आर0 @10 किग्रा0/ है0	थायोमेथाक्जॉ न 1 प्रतिशत + क्लोरेन्ट्रानिल ीप्रोल 0.5	रबी 2026	4.0	10	<ul style="list-style-type: none"> ■ कीट क्षति % ■ उत्पादन लागत ■ कुल आय ■ शुद्ध आय ■ लागत-आय अनुपात ■ उपज वृद्धि %
10	धान (पूसा- 1509)	एकीकृत रोग प्रबंधन	शीत ब्लाइट एजोक्सीस्ट्रोबिन 23 प्रतिशत एस0सी0 @ 800 मिली0/है0	एजोक्सीस्ट्रोि बन	खरीफ 2026	4.0	10	<ul style="list-style-type: none"> ■ रोग क्षति % ■ उत्पादन लागत ■ कुल आय ■ शुद्ध आय ■ लागत-आय अनुपात ■ उपज वृद्धि %
11	गाय 2026	डेयरी प्रबन्धन	डेयरी पशुओं में मिनरल मिक्चर का प्रयोग	मिनरल मिक्चर	2026	-	25	<ul style="list-style-type: none"> ■
12	भैस के लवारे 2026	रोग प्रबन्धन	भैस के लावरो मे कृमिनाशक दुवारा अन्तः परजीवी का नियंत्रण	कृमिनाशक	2026	-	30	<ul style="list-style-type: none"> ■
योग						72.3	245	

16. प्रशिक्षण कार्यक्रम (जनवरी से दिसम्बर 2026)

1.1 केन्द्र परिसर पर कृषकों एवं कृषक महिलाओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम :

विषय	प्रशिक्षण का नाम	दिनांक	अवधि दिन	प्रतिभागियों की संख्या		
				पुरुष	महिलाएँ	योग
सस्य विज्ञान	प्राकृतिक खेतों	अप्रैल	4	18	02	20
	गन्ने में सहफसली के विकल्प	सितम्बर	4	18	02	20
मृदा विज्ञान	संतुलित उर्वरक प्रयोग हेतु मृदा परीक्षण आवश्यक	मार्च	4	18	02	20
	एकीकृत पोषण प्रबन्धन हेतु प्राकृतिक खेती	नवम्बर	4	18	02	20
गृह विज्ञान	आहार में रबी, खरीफ, जायद पोषण थाली का महत्व	फरवरी	4	0	20	20
	गृहवाटिका में जैविक खेती द्वारा ताजी सब्जियों का उत्पादन	अगस्त	4	0	20	20
पशुधन उत्पादन	पशुओं में संतुलित आहार का बनाना एवम उसका महत्व	अप्रैल	4	18	02	20
	पशुओं में चयापचय (मेटाबोलिक) सम्बन्धी रोग एवम उनका प्रबन्धन	सितम्बर	4	18	02	20
पादप सुरक्षा	गन्ने में कीट एवं रोग प्रबन्धन	फरवरी	4	18	02	20
	सब्जियों की फसलों में कीट एवं रोग प्रबन्धन	अक्टूबर	4	18	02	20

1.2 बाह्य परिसर पर कृषकों एवं कृषक महिलाओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम :

विषय	प्रशिक्षण का नाम	दिनांक	अवधि (दिन)	प्रतिभागियों की संख्या		
				पुरुष	महिलाएँ	योग
सस्य विज्ञान	प्राकृतिक खेती	मार्च	1	18	02	20
	गन्ने में सहफसली के विकल्प	अप्रैल	1	18	02	20
	समेकित खेती प्रबन्धन	मई	1	18	02	20
	धान की वैज्ञानिक खेती	जून	1	18	02	20
	फसल अवशेष प्रबन्धन	जुलाई	1	18	02	20
	कृषि विविधीकरण (पोपलर की खेती)	अगस्त	1	18	02	20
	सरसों की वैज्ञानिक खेती	सितम्बर	1	18	02	20
	गन्ने की उत्पादन तकनीकी	अक्टूबर	1	18	02	20
	गेहूँ की उत्पादन तकनीकी	नवम्बर	1	18	02	20
	श्री अन्न की उत्पादन तकनीकी	दिसम्बर	1	18	02	20
मृदा विज्ञान	गन्ने में नैनो डी0ए पी0 एवं नैनो यूरिया का महत्व	जनवरी	1	20	—	20
	घनजीवामृत तैयार करने की विधि	फरवरी	1	20	—	20

	जीवामृत तैयार करने की विधि	मार्च	1	20	—	20
	गन्ने में नैनो डी0ए पी0 एवं नैनो यूरिया का महत्व	अप्रैल	1	20	—	20
	सूक्ष्म पोषक तत्वों का महत्व	मई	1	20	—	20
	मृदा नमूना लेने की विधि एवं महत्व	जून	1	20	—	20
	धान में नैनो डी0ए पी0 एवं नैनो यूरिया का महत्व	जुलाई	1	20	—	20
	मृदा स्वास्थ्य के लिये प्राकृतिक खेती	अगस्त	1	20	—	20
	तेल वाली फसलों में सल्फर का महत्व	सितम्बर	1	20	—	20
	गेहूँ में नैनो डी0ए पी0 एवं नैनो यूरिया का महत्व	अक्टूबर	1	20	—	20
गृह विज्ञान	स्वयं सहायता समूह का गठन एवं महत्व	फरवरी	1	—	20	20
	ग्रामीण महिलाओं हेतु आहार चार्ट	मार्च				
	गृहवाटिका में जैविक खेती द्वारा ताजी सब्जियों का उत्पादन	अप्रैल	1	—	20	20
	संतुलित आहार का महत्व एवं पोषण थाली	मई	1	—	20	20
	गृहवाटिका में बायोफोर्टिफाइड सब्जियों का उत्पादन एवं महत्व	जून				
	आहार में मोटे अनाज का महत्व	जुलाई	1	—	20	20
	घरेलू स्तर पर सीमित खाद्य पदार्थों द्वारा मूल्यवर्धन	अगस्त	1	—	20	20
	समय एवं श्रमशक्ति बचाने हेतु उन्नत कृषियंत्रों का प्रयोग	अक्टूबर	1	—	20	20
	ग्रामीण महिलाओं को औषधीय पौधों के महत्व एवं उनके पोषक तत्वों से अवगत कराना।	नवम्बर	1	—	20	20
	खाद्य पदार्थों का चयन, गुणवत्ता, क्रय संबंधी जागरूकता।	दिसम्बर	1	—	20	20
पशुधन उत्पादन	पशुओं में बाँझपन की समस्या एवम उसका निदान	फरवरी	1	20	—	20
	मुँहपका-खुरपका रोग के लक्षण एवं बचाव	मार्च	1	20	—	20
	पशुओं में थैनेला रोग के कारण एवं बचाव	अप्रैल	1	20	—	20
	दुधारू पशुओं में ऊष्मागत तनाव के कारण लक्षण एवं बचाव	मई	1	20	—	20
	नवजात बछड़ों एवम बछड़ियों की देखभाल एवं प्रबंधन गाभिन पशुओं की देखभाल एवं प्रबंधन	जून	1	20	—	20
	पशुओं में नस्ल सुधार हेतु प्रजनन रणनीतियाँ	जुलाई	1	20	—	20

	वर्ष भर हरे चारे का उत्पादन	अगस्त	1	20	—	20
	डेयरी पशुओं में खनिज मिश्रण का महत्व	सितम्बर	1	20	—	20
	डेयरी पशुओं में प्रजनन क्षमता में सुधार के लिए पोषण और प्रबंधन सम्बन्धित उपाय	अक्टूबर	1	20	—	20
	पशुओं के लिए साइलेज बनाने की विधि	नवम्बर	1	20	—	20
पादप सुरक्षा	गन्ने में बेधक कीटों का प्रबंधन	फरवरी	1	18	2	20
	भिंडी में फल भेदक कीट का प्रबंधन	फरवरी	1	20	—	20
	गन्ना की फसल में पोका बोइंग रोग का प्रबंधन	मार्च	1	18	2	20
	धान की फसल में नर्सरी रोग एवं उनका प्रबंधन	जून	1	18	2	20
	धान की फसल में कीट नियंत्रण हेतु फेरोमोन ट्रैप्स की उपयोगिता	जुलाई	1	18	2	20
	गोभी वर्गीय फसलों में हीरक पृष्ठ सलभ कीट का प्रबंधन	अगस्त	1	18	2	20
	बैंगन में तना एवं भेदक कीट का प्रबंधन	सितम्बर	1	18	2	20
	तिलहनी फसलों में रोग प्रबंधन	अक्टूबर	1	18	2	20
	आलू में झुलसा रोग प्रबंधन	नवम्बर	1	18	2	20
	आम में मिली बग का प्रबंधन	दिसम्बर	1	18	2	20

1.3 ग्रामीण युवकों के लिए रोजगारपरक प्रशिक्षण :

विषय	प्रशिक्षण का नाम	दिनांक	अवधि दिन	प्रतिभागियों की संख्या		
				पुरुष	महिलाएँ	योग
सस्य विज्ञान	प्राकृतिक खेती	अप्रैल	05	10	—	10
	गन्ने के साथ सहफसली के विकल्प	अक्टूबर	05	10	—	10
मृदा विज्ञान	प्राकृतिक खेती	जून	05	10	—	10
	वर्मी कम्पोस्ट का महत्व	दिसम्बर	05	10	—	10
गृह विज्ञान	फूड फोर्टिफिकेशन द्वारा स्थानीय खादय पदार्थों का मूल्यवर्धन –विभिन्न मोटे अनाज से निर्मित खिचड़ी एवं अन्य उत्पाद	जनवरी	05	—	10	10
	हस्तकला से निर्मित विभिन्न उत्पाद	मई	05	—	10	10
पादप सुरक्षा	मशरूम उत्पादन	नवम्बर	05	08	02	10
पशुधन उत्पाद	व्यावसायिक बकरी पालन/सुअर पालन/डेयरी पालन	मार्च	10	08	02	10

1.4 प्रसार कार्यकर्ताओं हेतु प्रशिक्षण :

विषय	प्रशिक्षण का नाम	दिनांक	अवधि दिन	प्रतिभागियों की संख्या		
				पुरुष	महिलाएँ	योग
सस्य विज्ञान	प्राकृतिक खेती	फरवरी	1	15	—	15
	गन्ने के साथ सहफसली के विकल्प	अप्रैल	1	15	—	15
	गेहूँ की नवीनतम प्रजातियों का परिचय	सितम्बर	1	15	—	15
	गन्ने की नवीनतम प्रजातियों का परिचय	नवम्बर	1	15	—	15
मृदा विज्ञान	प्राकृतिक खेती का महत्व	फरवरी	1	15	—	15
	नैनो फर्टिलाइजर का महत्व	मई	1	15	—	15
	घनजीवामृत बनाने की विधि	जुलाई	1	15	—	15
	मृदा स्वास्थ्य एवं सुरक्षित वातावरण हेतु फसल अवशेष प्रबंधन	दिसम्बर	1	15	—	15
गृह विज्ञान	भोजन में पोषण थाली का महत्व एवं संतुलित आहार	फरवरी	1	—	15	15

	ऑगनवाडी कार्यकर्ताओं को पोषण वाटिका हेतु जागरूक करना एवं बायो फोर्टिफाइड का महत्व	अप्रैल	1	—	15	15
	खाद्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुये मोटे अनाज के प्रति जागरूकता।	अगस्त	1	—	15	15
	भोजन पकाते हुये पोषक तत्वों को सुरक्षित रखने के उपाय	अक्टूबर	1	—	15	15
पशुधन उत्पादन	मुँहपका-खुरपका रोग के लक्षण एवं बचाव	अप्रैल	1	16	4	20
	डेयरी पशुओं में खनिज मिश्रण का महत्व	मई	1	16	4	20
	पशुओं में थैनेला रोग के कारण एवं बचाव	जुलाई	1	16	4	20
	पशुओं में टीकाकरण का महत्व	नवम्बर	1	16	4	20
पादप सुरक्षा	कीट प्रबन्धन में जैव नाशकों का प्रयोग एवं महत्व	जनवरी	1	16	4	20
	कीटनाशकों का सुरक्षात्मक प्रयोग	मई	1	16	4	20
	कीट प्रबन्धन में ट्राइकोकार्ड का प्रयोग	अगस्त	1	16	4	20
	बायो रेशनल पेस्टी साइडस का उपयोग	सितम्बर	1	16	4	20

17 अन्य प्रसार कार्यक्रम

प्रसार कार्यक्रम	कार्यक्रमों की सं०	कृषक			प्रसार कार्यकर्ता			योग		
		पु०	म०	योग	पु०	म०	योग	पु०	म०	योग
प्रक्षेत्र दिवस	12	214	48	262	8	-	8	222	48	270
किसान मेला	2	750	110	860	50	15	65	800	125	925
किसान गोष्ठी	12	828	192	1020	60	-	60	888	192	1080
प्रदर्शनी	2	432	96	528	12	-	12	444	96	540
फिल्म समूह	2	72	16	88	2	-	2	74	16	90
कृषक सेमिनार	2	214	48	262	8	-	8	222	48	270
कार्यशाला	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0
समूह बैठक	8	78	25	103	12	10	24	90	35	125
विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान	40	1000	100	1100	50	50	100	1050	150	1200
नैनो यूरिया / डी०ए०पी० का प्रदर्शन	2	2	0	2	0	-	0	2	0	2
दूरदर्शन वार्ता	04	-	-	-	-	-	-	-	-	4502
प्रसार साहित्य	10	समूह								0
वैज्ञानिकों द्वारा कृषक प्रक्षेत्र भ्रमण	50	160	40	200	-	-	-	50	160	40
कृषकों का केवीके भ्रमण	300	280	20	300	-	-	-	280	20	300
समस्या निदान हेतु भ्रमण	20	-	-	-	-	-	-	-	-	0
केवीके द्वारा कृषकों का बाहय भ्रमण	2	-	-	-	-	-	-	-	-	0
प्रसार प्रशिक्षार्थी सम्मेलन	2	-	-	-	-	-	-	-	-	0
मृदा स्वास्थ्य कैम्प	2	64	16	80	10	-	10	80	10	90
पशु स्वास्थ्य कैम्प	1	-	-	-	-	-	-	-	-	100
मृदा परीक्षण अभियान	2	90	10	100	-	-	-	90	10	100
स्व सहायता समूह बैठक	6	-	-	-	-	-	-	-	-	516
महिला मंडल बैठक	2	-	-	-	-	-	-	-	-	150
महत्वपूर्ण दिवसों का आयोजन	1	-	-	-	-	-	-	-	-	50
योग	486	2914	617	3531	120	-	120	2930	731	10350

18. कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रक्षेत्र पर उत्पादन लक्ष्य

अ) बीज उत्पादन

फसल	प्रजाति	उत्पादन (कु0)	उत्पादन वर्ग
सरसों	आर0एच0-1706	100	प्रमाणित

ब) रोपण सामग्री (पौध उत्पादन)

क्र0सं0	फसल		प्रजाति	संभावित संख्या
1	फल	पपीता	पूसा -नन्हा	1000
2	सब्जी	टमाटर	पूसा अली डवार्फ	5000
		मिर्च	पूसा सदाबहार	2500
		प्याज	एग्रीफाउण्ड डार्क रेड	5000
		बैंगन	पूसा क्रान्ति	5000
		फूलगोभी	पर्ल व्हाइट	5000
3	सुगन्धीय पौधे	गेंदा	पूसा नारंगी	2500
4	जंगली प्रजातियाँ	पोपलर	जी-48	1500
			उदय	1500
योग				29000